

Universitäts- und Landesbibliothek Bonn

**E theia leitourgia tou en agiois patros emon ioannaou tou
Hrisostomou**

Johannes <Chrysostomus>

[Rom, 1839

urn:nbn:de:hbz:5:1-8466

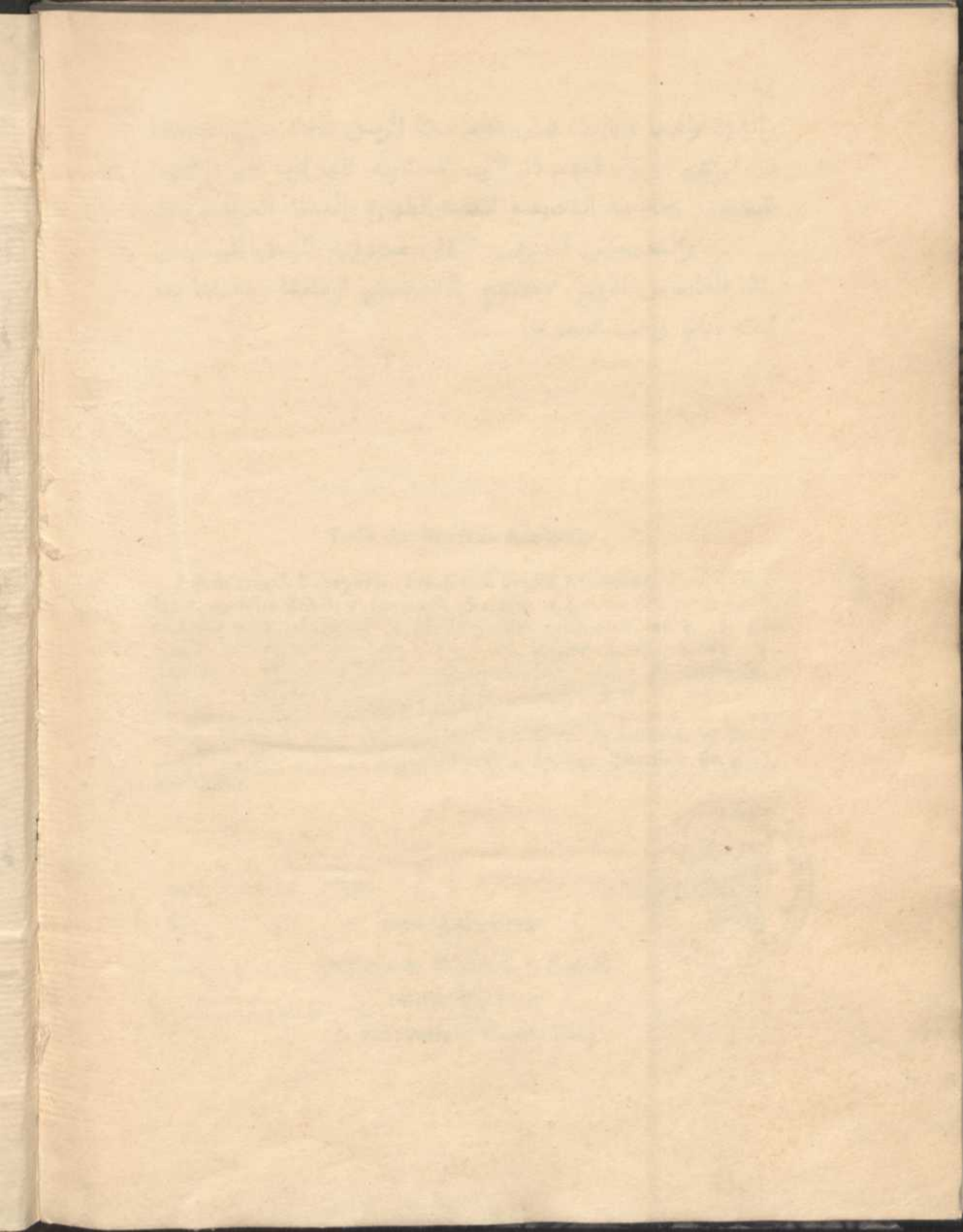
ibl. Goussen

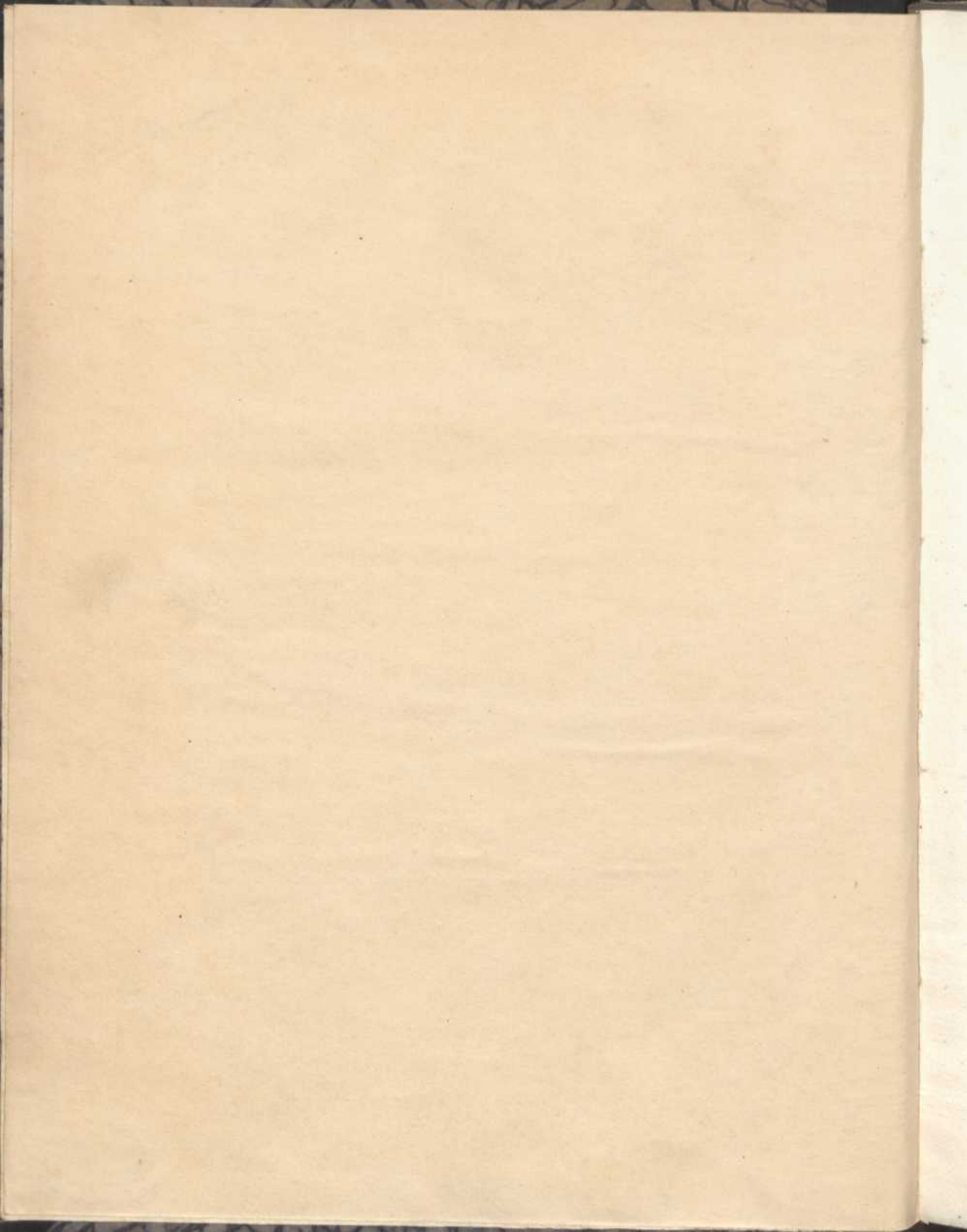
2091

40

Goussen 4' 2091







والقوة والمجد والازلية على تلاميذك الرسل القديسين . وبهذا
 قد انرتهم . وبواسطتهم قد انرت المسكونة كلها ايها المسيح الهنا
 الحقيقي . بشفاعته القديسة الكلية الطهارة والدتك البرية من كل
 عيب . والقديسين المشرفين الكلى مديحهم الرسل المنذرين
 بالله اللابسين الروح . وجميع القديسين ارحمنا وخلصنا بما
 انك صالح ومحب للبشر

Τινῶν ἀμαρτημάτων διόρθωσις-

Σελ.2. στίχ.3. Εὐλόγησον. Σελ.4. σ. 5. ὑπερευ λογημένης. σ.20. ψάλλε-
 ται. σ. 29. ἐστίν. Σελ.5. σ. ἐστίν. σ.6. 15. εἰρήνη. σ. 8. σ. 12. Κυρίου. σ. 9. σ. 5.
 δεικνύων. σ. 12. 1. χρηστ. . σ. 23. ἔμπροσθεν. σ. 13. σ. 12. τὴν. σ. 16. Χε-
 ρουβίμ. σ. 18. σ. 6. κίτῳ. σ. 19. σ. 13. ἐλέησον. σ. 24. σ. 2. τὴν. σ. 8.
 Χερουβικοῦ. σ. 25. σ. 2. παίδων. σ. 26. πεντηκοστὸν. σ. 26. σ. 16. εὐλαβείας .
 σ. 27. σ. 23. ξύλου. σ.29.σ.10. Μνησθεῖν. σ. 24. Τοῦ. σ. 31. σ.1. τῇ. σ. 12.
 πλημμελημάτων. σ. 29. ὑπερευλογημένης. σ. 37. σ. 13. Τοίνυν. σ. 38. σ. 12.
 πανάγιόν σου. σ. 42. σ. 14. Χριστῷ. σ. 43. σ. 30. εἰρημένον ἐν τῇ ἀρχῇ.
 σ.45. Πνεύματος. σ. 56. σ. 8. φιλόανθρωπε. σ. 57. σ.21. Θεωρῶν. σ. 60. σ. 23.
 λεπτοτάτων.

IMPRIMATUR

Fr. Dominicus Buttaoni O. P. S. P. M.

IMPRIMATUR

A. Piatti Patriarch. Antioch. Vicesg.



في الغاية وذلك بغسلك أرجل تلاميذك ثم بتنازلك معنا لحد
الصلب والدفن

وفي ختم الالام المقدس

يامن احتملت جثبات البصاق والجلد والطمات والصلب
والموت من اجل خلاص العالم

وفي الجمعة الكبيرة المقدسة

يامن لاجلنا نحن البشر ولاجل خلاصنا اقتبلت بالجسد
الالام الرهيبة والصلب المحيى والدفن الاختياري

وفي احد الفصح المقدس وجميع احاد السنه

ايها المسيح الهنا الحقيقي يامن قمت من بين الاموات الخ

وفي احد القديس توما

يامن احتملت الموت وثبتت توما الخ

وفي خميس الصعود

يامن صعدت عنا بمجد الى السموات وجلست من عن
يمين الاله الاب

وفي احد العنصرة

يامن ارسلت الروح الكلى قدسه من السماء بنوع السنه
نارية على تلاميذك الرسل القديسين.

وفي الاحد المذكور ذاته عند الغروب

يامن لاشيت ذاتك باحدارك من الاحضان الابوية الالهية.
واتيت من السماء الى الارض. واتخذت طبيعتنا بكمالها والتهتها.
وبعد هذا صعدت ثانية الى السموات. وجلست من عن يمين
الله الاب. وارسلت الروح القدس الالهى المساوى لك في الجوهر



الاعياد السيدية الذي يقال في صلوة الغروب وفي الصلوة
السحرية وفي القداس حسب السياق
في ميلاد المسيح

يامن ولدت في مغارة واضجعت في مدود لاجل خلاصنا الخ
وفي عيد الختان

يامن اقتبلت ان تختن بالجسد في اليوم الثامن لاجل خلاصنا
وفي عيد الظهور المقدس

يامن اقتبلت ان تعمّد من يوحنا في الاردن لاجل خلاصنا
وفي عيد دخول المسيح للهيكل

يامن ارتضيت بان تحمل على ذراعي سمعان الصديق لاجل
خلاصنا

وفي عيد التخلي

يامن تجليت على جبل تابور بمجد امام تلاميذك الرسل
القديسين

وفي احد الشعانين

يامن اقتبلت ان تجلس على عرش لاجل خلاصنا

وفي غروب الاحد المذكور

يامن اتيت الى الالام طوعاً يارب من اجل خلاصنا

وفي يوم الخميس العظيم

يامن لاجل سمو صلاحك قد اظهرت الانضاع طريقاً فاضلاً

λογία Κυρίου ἐφ' ἡμᾶς. **Καὶ**
 γίνεσθαι ἱελεῖα ἀπόλυσις· καὶ
 εἰσελθὼν ἐν τῷ ἁγίῳ βήμα-
 τι, ἀποδύεται τὴν ἱερατικὴν
 στολὴν, λέγων.
Νῦν ἀπολύεις· τὸ Τρισάγιον.
Καὶ τὰ λοιπὰ· Ἀπολυτι-
 κιον, καὶ κοντάκιον τῆς ἡμέ-
 ρας· ἔπειτα τὸ ἱροπάριον τοῦ
 Χρυσοστόμου· Ἡ τοῦ στο-
 ματός σου καθάπερ πυρρὸς
 ἐκλάμπασα . . . τὸ Κ Ὑ-
 ριε ἐλέησον, **ιβ'.** Δόξα, **Καὶ**
 νῦν· Τὴν τιμιωτέραν. **Καὶ**
 ποιεῖ ἀπόλυσιν. **Καὶ** προσ-
 κυνήσας, καὶ εὐχαριστήσας
 τῷ Θεῷ ἐπὶ πᾶσιν, ἐξέρ-
 χεται.

Τέλος τῆς θείας Λειτουργίας
 τοῦ Χρυσοστόμου.

الان اطلق عبدك بتمامها
 وقدوس الله وما يتلوها
 وابوليتيكيون النهار
 وقدناقه. وطروبارية قم الذهب
 لقد اشرفت النعمة من فمك
 شبه النار الخ
 واننا عشر صوتا يارب ارحم
 ثم ذكما كانيين وايتها الاكرم
 من الشاروجيم ويعمل الختم.
 وبعد ان يكون سجد وشكر الله
 على كل شى يخرج

نهاية الليتورجيا الالهية
 التي للقديس يوحنا

قم الذهب



Ταύτης δὲ τελεσθείσης, ὁ μὲν
ἱερεὺς εἰσέρχεται διὰ τῶν
ἀγίων θυρῶν· καὶ ἀπελθὼν
ἐν τῇ προθέσει, λέγει τὴν
παροῦσαν εὐχὴν.

Εὐχὴ λεγομένη ἐν τῷ συστει-
λαιο τὰ Ἅγια.

Τὸ πλήρωμα τοῦ νόμου,
καὶ τῶν προφητῶν αὐτὸς
ὑπάρχων, Χριστέ ὁ Θεὸς
ἡμῶν, ὁ πληρώσας πᾶσαν
τὴν πατρικὴν οἰκονομίαν,
πλήρωσον χαρᾶς, καὶ εὐφρο-
σύνης ἱας καρδίας ἡμῶν πάν-
τοτε, νῦν καὶ ἀεὶ, καὶ εἰς
τοὺς αἰῶνας τῶν αἰώνων.
Ἀμήν.

Ὁ δὲ διάκονος εἰσελθὼν καὶ
αὐτὸς διὰ τοῦ βορείου μέ-
ρους, συστέλλει τὰ Ἅγια
μετὰ φόβου καὶ πάσης ἀσ-
φαλείας, ὥστε μηδέν τι τῶν
ἁγαν λεπτωτάτων ἐκπεσεῖν,
ἢ καταλειφθῆναι. Καὶ ἀ-
πονίπτεται τὰς χεῖρας ἐν τῷ
συνῆθει τόπῳ.

Ὁ δὲ ἱερεὺς ἐξελθὼν, δίδωσι
λαῶ λαῶ τὸ ἀντίδωρον.

Δόξα, Καὶ νῦν· ὁ ἱερεὺς. Εἰ

التقدمة ويقول الصلوة التابعة:

انك كمال الناموس والانبياء
ايها المسيح الهنا. الذي
اكملت التدبير الاجوى باسرة.
كامل قلوبنا بالفرح والسرور
كل حين. الان وكل اوان والى
دهر الداهرين امين.

ثم ان الشمس يدخل من
ناحية الشمال وتلمذ القدسات
بحرف ويكل احتراس ليلا يسقط
او يتبقى منها شي كلياً ولو مهما
كان صغيراً جداً ويغسل يديه
في المكان المعتاد واما الكاهن
فيخرج ويعطي الشعب
الانسدورون والشعب ذلكما.
كانيس

والكاهن

بركة الرب ورحمته تأتي
علينا

ويصير الختم الكامل. ثم
يدخل الى الهيكل المقدس
ويطلع عنه الحلة الكهنوتية
قائلاً

νουμένη παρα τοῦ ἱερέως
ἔξω τοῦ βήματος.

Ο Εὐλογῶν τοὺς εὐλογοῦν-
τάς σε Κύριε, καὶ ἁγιά-
ζων τοὺς ἐπὶ σοὶ πεποιθί-
τας, σῶσον τὸν λαόν σου,
καὶ εὐλόγησον τὴν κληρονο-
μίαν σου· τὸ πλήρωμά τῆς
ἐκκλησίας σου φύλαξον· ἁ-
γίασον τοὺς ἀγαπῶντας Ἰὴν
εὐπρέπειαν τοῦ οἴκου σου·
σύ αὐτοὺς ἀντιδόξασον τῇ
θεϊκῇ σου δυνάμει, καὶ μὴ
ἐγκαταλίπῃς ἡμᾶς τοὺς ἐλ-
πίζοντας ἐπὶ σέ· εἰρήνην τῷ
κόσμῳ σου δώρησαι, ταῖς
ἐκκλησίαις σου, τοῖς ἱερεῦ-
σι, τοῖς βασιλεῦσιν ἡμῶν,
τῷ στρατῷ, καὶ παντὶ τῷ
λαῷ σου. Ὅτι πᾶσα δόσις
ἀγαθὴ, καὶ πᾶν δῶρημα ἱε-
λεῖον ἄνωθέν ἐστι, καὶ λαβαῖ-
νον ἐκ σοῦ τοῦ Πατρὸς τῶν
φώτων· καὶ σοὶ τὴν δόξαν,
καὶ εὐχαριστίαν, καὶ προ-
σκύνησιν ἀναπέμπομεν τῷ
Πατρὶ, καὶ τῷ Τίῳ, καὶ
τῷ ἁγίῳ Πνεύματι, νῦν καὶ
ἀεὶ, καὶ εἰς τοὺς αἰῶνας ἰῶν
αἰώνων· Ἀμήν.

من الرب نطلب

افشين يقال من الكاهن
جهازاً خلف الاممونيوس خارج
الهيكل

يامبارك مبارك
يارب، ومقدس المتكلمين عليك.
خلص شعبك وبارك ميراثك.
احفظ كمال كنيستك. قدس
المحبين جمال بيتك. انت
عوضهم مجداً بقوةك الالهية.
ولا تهملنا نحن المتكلمين عليك.
هب السلام لعالمك.
ولكنائيسك. وللكهنة. وملوكنا
وللجنود. ولساير شعبك. لان
كل عطية صالحة وكل موهبة
كاملة هي من العلوم مخدرة من
لدىك يا ابا الانوار. ولك نرسل
المجد والشكر والسبحود. ايها
الاب والابن والروح القدس.
الان وكل اوان والى دهر الدهرين
امين.

واما الكاهن فيدخل داخل
الابواب المقدسة ويبقى الى مكان

αἰεὶ, καὶ εἰς τοὺς αἰῶνας,
τῶν αἰώνων. Ἀμήν.

Καὶ ἐξελθὼν ὁ διάκονος, καὶ
εἰς τὴν ἑκκλησίαν συνήθει ἰσπῶ,
λέγει.

Ο Ῥῥοὶ, μεταλαβόντες τῶν
θεῶν, ἀγίων, ἀχράντων,
ἀθανάτων, ἐπουρανίων, καὶ
ζωοποιῶν, φρικτῶν τοῦ Χρι-
στοῦ μυστηρίων, ἀξίως εὐ-
χαριστήσωμεν τῷ Κυρίῳ.

Αντιλαβοῦ, σῶσον, ἐλέη-
σον, καὶ διαφύλαξον ἡμᾶς
ὁ Θεὸς τῇ σῇ χάριτι.

Τὴν ἡμέραν πᾶσαν τελείαν,
ἀγίαν, εἰρηνικὴν, καὶ ἀνα-
μάρτητον αἰτησάμενοι, ἑαυ-
τοὺς, καὶ ἀλλήλους, καὶ
πᾶσαν τὴν ζωὴν ἡμῶν Χρι-
στῷ τῷ Θεῷ παραδώμεθα.

Ἐκφώνησις.

Ο Τί σὺ εἶ ὁ ἁγιασμὸς ἡ-
μῶν, καὶ σοὶ τὴν δόξαν
ἀναπέμπομεν τῷ Πατρὶ,
καὶ τῷ Υἱῷ, καὶ τῷ ἁγίῳ
Πνεύματι, νῦν καὶ αἰεὶ, καὶ
εἰς τοὺς τῶν αἰώνων.

Εν εἰρήνῃ προέλθωμεν. Ὁ δια-
κονος, τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν.

Εὐχὴ ὀπισθάμβωνος, ἐκφω-

كل حين الان وكل اوان والى
دهر الداهرين امين

ثم يخرج الشماس ويقف في
مكانه المعتاد قائلًا

استقيموا ايها الذين
اشتركتم باسرار المسيح الالهية
المقدسة الطاهرة الغير المايته
السموية المحيية الرهيبة لنشكر
الرب باستحقاق.

اعضد وخلص وارحم
واحفظنا يا الله بنعمتك.

ان يكون يومنا كاملاً مقدساً
سلامياً وبغير خطية اذ نحن
طالبون قذواتنا وبعضنا بعضاً
وجميع حياتنا للمسيح الاله
نودع

اعلان

لانك انت هو تقدسنا.
ولك نرسل المجد ايها الاب والابن
والروح القدس. الان وكل اوان
والى دهر الداهرين

فلنخرج بسلام

والشماس يقول

δείκνυσιν αὐτὸ τῷ λαῷ, λέ-
γων.

Μετὰ φόβου Θεοῦ, πίστεως,
καὶ ἀγάπης προσέλθετε.

Ὁ δὲ ἱερεὺς εὐλογεῖ τὸν λαόν,
ἐπιλέγων ἐκφώνως.

Σῶσον ὁ Θεὸς τὸν λαόν σου,
καὶ εὐλόγησον τὴν κληρονο-
μίαν σου. Καὶ ἐπιστρεφου-
σιν ὁ τε διάκονος, καὶ ὁ ἱε-
ρεὺς εἰς τὴν ἁγίαν τράπεζαν,
καὶ θυμιᾷ ὁ ἱερεὺς τρίς, λέ-
γων καθ' ἑαυτόν.

Τῷ ψάλλῃ ἐπὶ τοὺς οὐρανοὺς
ὁ Θεός, καὶ ἐπὶ πᾶσαν τὴν
γῆν ἡ δόξα σου.

Εἵτα λαβὼν τὸν ἅγιον δίσκον,
τίθεισιν ἐπὶ τὴν κεφαλὴν τοῦ
διακόνου· καὶ ὁ διάκονος λα-
βὼν αὐτὸν μετὰ εὐλαβείας,
δεωρῶν ἔξω πρὸς τὴν θύραν,
οὐδὲν λέγων, ἀπέρχεται εἰς
τὴν πρόθεσιν, καὶ ἀποτίθη-
σιν αὐτόν· ὁ δὲ ἱερεὺς προσ-
κυνήσας, καὶ λαβὼν τὸ ἅ-
γιον ποτήριον, καὶ ἐπιστρα-
φείς πρὸς τὴν θύραν, ὁρᾷ τὸν
λαόν, λέγων μυστικῶς.

Εὐλογητὸς ὁ Θεὸς ἡμῶν, καὶ
ἐκφώνως, πάντοτε, νῦν καὶ

ويضع الكأس المقدسة ويظهرها
للشعب قايلاً

بحرف الله وأمانة وتحمية تقدموا
والكاهن يبارك الشعب
باعلان قايلاً

خلص يا الله شعبك وبارك
ميراثك

ثم يلتفت الكاهن والشماس
الى المائدة المقدسة. والكاهن
يبيض ثيابه قايلاً في ذاته

ارتفع اللهم على السموات
وعلى سائر الارض مجدك.

ثم ياخذ الصينية المقدسة
ويضعها على رأس الشماس
فيأخذها بحسن عبادة صامتاً
ناظراً الى خارج نحو الباب
ويدهض الى موضع التقديم
فيضعها هناك والكاهن يسجد
ويتناول الكأس المقدسة
ويلتفت الى الباب ناظراً الى
الشعب قايلاً سرا

مبارك هو الهنا

ثم يعلن

ποτήριον τῷ καλύμματι,
ὁμοίως καὶ ἐπὶ τὸν ἅγιον
δίσκον ἀνατίθῃσι τὸν ἀστέ-
ρα, καὶ τὰ καλύμματα.

**Εἶτα ἐπιλέγει τὴν τῆς εὐχα-
ριστίας εὐχὴν ὁ ἱερεὺς.**

Εὐχαριστοῦμέν σοι, Δέσ-
ποτα φιλόνηρωτε, εὐε-
γέτα τῶν ψυχῶν ἡμῶν, ὅτι
καὶ τῇ παρουσίᾳ ἡμέρα κα-
τηξίωσας ἡμᾶς τῶν ἐπουρα-
νίων σου, καὶ ἀθανάτων μυ-
στηρίων· ὀρθοτόμησον ἡμῶν
τὴν ὁδὸν· στηρίξον ἡμᾶς ἐν
τῷ φόβῳ σου τοὺς πάντας·
φρούρησον ἡμῶν τὴν ζωὴν·
ἀσφάλισαι ἡμῶν τὰ διαβή-
ματα, εὐχαῖς, καὶ ἰκεσίαις
τῆς ἐνδόξου Θεοτόκου, καὶ
ἀειπαρθένου Μαρίας, καὶ
πάντων τῶν ἁγίων σου.

**Καὶ οὕτως ἀνοίγουσι τὴν θύ-
ραν τοῦ ἁγίου βήματος, καὶ
ὁ διάκονος προσκυνήσας ἁ-
παξ, λαμβάνει τὸ ποτή-
ριον μετὰ εὐλαβείας, καὶ
ἔρχεται εἰς τὴν θύραν, καὶ
ὕψων τὸ ἅγιον ποτήριον,**

الصينية المقدسة فوق الكاس
المقدسة وبالسفحة المقدسة
ينظفها كلها جيداً ثم يغطي
الكاس المقدسة بالكاليما
باحتراس وحسن عبادة. وهكذا
يضع في الصينية المقدسة
النهم والاعطية

ثم الكاهن يتلو صلوة

الشكر هذه

نشكرك أيها الرب المحب
البشر المحسن إلى نفوسنا. لأنك
أهلتنا في اليوم الحاضر أيضاً
لاقتبال أسرارك السموية الغير
المأيتة. فاجعل طرقنا
مستقيمة. شددنا اجمعين
بمخوفك. أحرس حياتنا. ثبت
خطواتنا. بصلوات والددة الاله
الحجيدة الدائمة البكارة مريم
وطلباتها مع جميع قديسيك

وهكذا يفتح باب الهيكل

المقدس والشماس اذا يكون
سجد سجدة واحدة يتناول
الكاس بورع. ويقدم الى الباب

καὶ τοῦ ἱεροῦ ποτηρίου, τῷ
ἐν χερσὶ καλύμματι ἀποσ-
πογγίσας, καλεῖ τὸν διάκον-
ον, λέγων. **Διάκονε πρόσελ-
θε. Καὶ ὁ διάκονος ἔρχεται,
καὶ προσκυνεῖ ἅπαξ, λέγων.**
**Ἴδου προσέρχομαι τῷ ἀθα-
νάτῳ Βασιλεῖ. Καὶ τὸ Πι-
στεύω Κύριε, καὶ ὁμολογῶ.**
ὅλον καὶ λέγει ὁ ἱερεὺς.
Μεταλαμβάνει ὁ δοῦλος
τοῦ Θεοῦ διάκονος, (ὁ δεῖνα)
τὸ τίμιον, καὶ ἅγιον αἶμα
τοῦ Κυρίου καὶ Θεοῦ, καὶ
Σωτῆρος ἡμῶν Ἰησοῦ Χρι-
στοῦ, εἰς ἄφεσιν αὐτοῦ ἁ-
μαρτιῶν, καὶ εἰς ζωὴν αἰώ-
νιον.

Μεταλαμβάνει δὲ τοῦ διακόνου,
λέγει ὁ ἱερεὺς.

Τοῦτο ἤψατο τῶν χειλέων
σου, καὶ ἄφελεῖ ἰὰς ἀνομίας
σου, καὶ τὰς ἁμαρτίας σου
περικαθαριεῖ.

Τότε λαβὼν τὸν ἅγιον δίσκον
ὁ διάκονος, ἐπάνω τοῦ ἁγίου
ποτηρίου, ἀποσπογγίζει τῷ
ἁγίῳ σπόγγῳ πάνυ καλῶς,
καὶ μετὰ προσοχῆς καὶ εὐ-
λαβείας σκεπαίνει τὸ ἅγιον

المقدس. بيديه كليهما
ويتناول منها ثلاث مرات. وهكذا
اذ يمسح بالكاليما التي بيده
شفتيه مع حافة الكأس ينادى
الشماس قائلًا

ايها الشماس تقدم

فيقترب الشماس ويسجد
سجدة قايلاً

هوذا انا اتقدم الى الملك
الغير المائت

ثم انا اومن يارب واعترف
بتمامها

والكاهن يقول

عبد الله الشماس قلان

يتناول دم ربنا والهنا ومخلصنا
يسوع المسيح الكريم المقدس
لغفران خطاياه وللحياة الابدية

واذ يتناول الشماس يقول
الكاهن

شفتاك قد لامستا هذا.
فينزع عنك اثمك. ويطهر
خطاياك.

وحينئذ الشماس يضبط

ραπτώματά μου, ὅσα σοι ἥμαρτον, εἴτε ἐν γνώσει, εἴτε ἐν ἀγνοίᾳ, εἴτε ἐν λόγῳ, εἴτε ἐν ἔργῳ ἔπραξα· πάντα μοι συγχώρησον, ὡς ἀγαθός, καὶ φιλάνθρωπος· ταῖς πρεσβείαις τῆς παναχράντου σου, καὶ ἀειπαρθένου Μητρὸς ἀκατακρίτως ἀξιῶσόν με δέξασθαι τὸ τίμιον, καὶ ἄχραντον σῶμά σου, εἰς ἱάσιν ψυχῆς, καὶ σώματος. ὅτι σου ἔστιν ἡ βασιλεία, καὶ ἡ δύναμις, καὶ ἡ δόξα εἰς τοὺς αἰῶνας τῶν αἰώνων, ἀμήν.

Καὶ τελευταῖον τὸ, Μὴ μοι εἰς κρῖμα, ἢ εἰς κατὰκριμα γένοιτο ἡ μετάληψις τῶν ἁγίων σου μυστηρίων, Κύριε, ἀλλ' εἰς ἱάσιν ψυχῆς καὶ σώματος. Καὶ οὕτω μεταλαμβάνουσι τοῦ ἐν χερσὶ μετὰ φόβου καὶ πάσης ἀσφαλείας. Εἴτα ἀναστὰς, λαμβάνει ταῖς χερσὶν ἀμφοτέραις μετὰ καλύμματος τὸ ἅγιον ποτήριον, καὶ μετὰ λαμβάνει τρίτον ἐξ αὐτοῦ· καὶ οὕτω τὰ τε ἴδια χεῖλη,

جسدك ودمك المقدس

يا الهنا اغفر واصفح وتجاوز عن ذنوبي. وعن كل ما اخطات اليك. ان كان بمعرفة او بغير معرفة. وسامحني عن كل ما فعلته. ان كان بالقول. او بالفعل. بما انك صالح ومحب البشر. بشفاعه والدتك الطاهرة والدائمة بكارتها. واجعلني مستحقاً حتى بغير دينونة اقتبل جسدك الكريم والطاهر. لاجل شفا نفسي وجسدي. لان لك هو الملك والاقتردار الى دهر الدهرين

واخيراً يقول

لا يكن لي تناول اسرار المقدسة يارب محاكمة اولدينونة بل لشفا النفس والجسد

وهكذا يتناول من جسد يسوع المسيح الذي يكون في ايديهما بكل خوف واحتراس. وبعد ان ينتصب ياخذ الكأس

Σωτῆρος ἡμῶν Ἰησοῦ Χριστοῦ, εἰς ἄφεσιν αὐτοῦ ἁμαρτιῶν, καὶ εἰς ζωὴν αἰώνιον. **Καὶ ἀπέρχεται ὁπισθεν τῆς ἱερᾶς τραπέζης, κλίνας τὴν κεφαλὴν, καὶ προσεύχεται ὡς ὁ ἱερεὺς. Ὁμοίως δὲ ὁ ἱερεὺς λαβὼν μίαν μερίδα τοῦ ἁγίου ἄρτου, λέγει. Τὸ τίμιον ὑπανάγιον σῶμα τοῦ Κυρίου, καὶ Θεοῦ, καὶ Σωτῆρος ἡμῶν Ἰησοῦ Χριστοῦ μεταδίδοται μοι, (τῷ δεῖνι) ἱερεῖ, εἰς ἄφεσιν μου ἁμαρτιῶν, καὶ εἰς ζωὴν αἰώνιον· καὶ κλίνας κάτω τὴν κεφαλὴν, προσεύχεται λέγων.**

ΠΙστεύω Κύριε, καὶ ὁμολογῶ, ὅτι σὺ εἶ ὁ Χριστὸς, ὁ Υἱὸς τοῦ Θεοῦ τοῦ ζῶντος, ὁ ἐλθὼν εἰς τὸν κόσμον, ἁμαρτωλοὺς σῶσαι, ὧν πρῶτος εἰμὶ ἐγώ. **Καὶ,**

Τοῦ δείπνου σου τοῦ μυστικοῦ σήμερον, Υἱὲ Θεοῦ, κοινωνόν με παράλαβε· οὐ μὴ γὰρ τοῖς ἐχθεοῖς σου τὸ μυστήριον εἶπω, οὐ φίλημά σοι δώσω καθάπερ ὁ Ἰούδας, ἀλλ' ὡς ὁ λη-

جسد ربنا والهنا ومخلصنا
يسوع المسيح الكريم والمقدس
والطاهر يعطى للشماس **فلان**
لغفران خطاياه وللحياة الابدية.
ثم يرجع الى خلف المائدة
المقدسة محنياً الراس ويصلى
نظير الكاهن وهكذا الكاهن اذ
يكون اخذ جزءاً من الخبز
المقدس يقول

جسد ربنا والهنا ومخلصنا
يسوع المسيح الكريم والكللى
القداسة يعطى لى انا **فلان**
لغفران خطاياى وللحياة
الابدية

ويحنى راسه الى اسفل ويصلى
قائلاً

انا اومن يارب واعترف بانك
انت هو المسيح ابن الله الحى .
الذى اتيت الى العالم لتخلص
الخطاة الذين انا اولهم . وايضاً
اومن بان هذا هو جسدك
الطاهر ودمك الكريم .

اقبلنى اليوم شريكاً فى

Ὁ δὲ ἱερεὺς εὐλογεῖ, λέγων.
Εὐλογημένη ἡ ζέσις τῶν ἀ-
γίων σου πάντοτε, νῦν καὶ
αἰεὶ, καὶ εἰς τοὺς αἰῶνας τῶν
αἰώνων. Ἀμήν.
Καὶ ὁ διάκονος ἐκχέει τὸ ἀρ-
χοῦν σταυροειδῶς ἐνδον τοῦ
ἀγίου ποτηρίου λέγων. Ζέ-
σις πίστεως, πλήρης Πνεύ-
ματος ἀγίου, ἀμήν. Καὶ
ἀποτιθεμενος τὸ ζέον, ἴστα-
ται μικρὸν ἄποθεν. Ὁ δὲ
ἱερεὺς λέγει. Ὁ διάκονος
πρόσελθε· καὶ προσελθὼν ὁ
διάκονος, ποιεῖ μετάνοιαν
εὐλαβῶς αἰτῶν συγχώρησιν·
ὁ δὲ ἱερεὺς κρατῶν τὸν ἅγιον
ἄρτον, δίδωσι τῷ διακόνῳ·
καὶ ἀσπασάμενος ὁ διάκονος
τὴν μεταδιδούσαν αὐτῷ χει-
ρα, λαμβάνει τὸν ἅγιον ἄρ-
τον, λέγων. Μετάδος μοι
δέσποτα τὸ τίμιον, καὶ ἅγιον
σῶμα τοῦ Κυρίου, καὶ Θεοῦ,
καὶ Σωτῆρος ἡμῶν Ἰησοῦ
Χριστοῦ. Ὁ δὲ ἱερεὺς λέ-
γει· (τῷ δεῖνι) ἱεροδιακόνῳ
μεταδίδοται τὸ τίμιον, καὶ
ἅγιον, καὶ ἄχραντον σῶμα
τοῦ Κυρίου, καὶ Θεοῦ, καὶ

والكاهن يباركه قائلا

مباركة هي حرارة قدسيك
كل حين الان وكل اوان والى
دهر الداهرين امين

والشماس يسكب ما يكفى
من الزاؤون شكل صليب في
الكاس المقدسة قائلا

حرارة الايمان المستوعبة من
الروح القدس امين.

واذ يضع الزاؤون يتوقف قليلا
على ناحية والكاهن يقول

تقدم ايها الشماس

واذ يتقدم الشماس فيصنع
مطانية بحسب عيادة طالبا
الغفران اما الكاهن فاذ يكون
ضابطا للخبز المقدس يقدمه
للشماس والشماس اذ يقبل
اليه المقدمة له ياخذ للخبز
المقدس قائلا

اعطني ياسيد جسد ربنا
والهنا ومخلصنا يسوع المسيح
الكريم والمقدس
والكاهن يقول

τοῦ ἱερέως κρατοῦντος τὸν ἅγιον ἄρτον, λέγει.

Μέλισον δέσποτα τὸν ἅγιον ἄρτον. **Ὁ** δὲ ἱερεὺς μελίζων αὐτὸν εἰς τέσσαρα, μετὰ προσοχῆς καὶ εὐλαβείας, λέγει.

Μελίζεται, καὶ διαμερίζεται ὁ Ἀμνὸς τοῦ Θεοῦ, ὁ Υἱὸς τοῦ Πατρὸς, ὁ μελιζόμενος, καὶ μὴ διαιρούμενος, ὁ πάντοτε ἐσθιόμενος, καὶ μηδέποτε δαπανώμενος· ἀλλὰ τοὺς μετέχοντας ἀγιάζει.

Καὶ ὁ διάκονος δεικνύων σὺν τῷ ὡραίῳ τὸ ἅγιον ποτήριον, λέγει.

Πλήρωσον δέσποτα τὸ ἅγιον ποτήριον. **Ὁ** δὲ ἱερεὺς λαβὼν τὴν ἄνω κειμένην μερίδα, ποιεῖ σὺν αὐτῇ σίαιρον ἐπάνω τοῦ ἁγίου ποτηρίου, λέγων. **Π**λήρωμα πίστεως Πνεύματος ἁγίου. **Κ**αὶ οὕτως ἐμβάλλει εἰς τὸ ἅγιον ποτήριον. **Ὁ** διάκονος. **Ἀμήν.**

Καὶ δεχόμενος τὸ ζέον, λέγει πρὸς τὸν ἱερέα:

Εὐλόγησον δέσποτα τὸ ζέον.

الكاهن الذي يكون ضابطاً
الخبز المقدس ويقول

قسم ياسيد الخبز المقدس
والكاهن يقسمه اربعة اجزاء
باحتراس وورع قايلاً

يقسم ويفصل حمل الله اجن
الاب الذي يفصل ولا ينتقص.
ويؤكل كل حين ولا يفنى اصلاً.
بل انه يقدر المشتركين به.

والشماس يشير بالزئار نحو
الكاس المقدسة قايلاً

كمل ياسيد هذه الكاس
المقدسة

والكاهن ان يياخذ الجزء
الموضوع فوقاً يصنع به شكل
صليب على الكاس المقدسة
قايلاً

كمال امانة الروح القدس
وهكذا يجرد في الكاس
المقدسة والشماس يقول امين
ثم يياخذ الزاوي ويقول نحو
الكاهن

بارك ياسيد هذا الزاوي

στὲ ὁ Θεὸς ἡμῶν, ἐξ ἀ-
γίου καλοικητηρίου σου, καὶ
ἀπὸ θρόνου δόξης τῆς βασι-
λείας σου, καὶ ἐλθὲ εἰς τὸ
ἀγιάσαι ἡμᾶς, ὁ ἄνω τῷ
Πατρὶ συγκαθήμενος, καὶ
ὥδε ἡμῖν ἀοράτως συνὼν καὶ
καταξίωσον τῇ κραταιᾷ
σου χειρὶ, μέλαδουῖναι ἡμῖν
τοῦ ἀχράντου σώματός σου,
καὶ τοῦ ἱμίου αἵματος, καὶ
δι' ἡμῶν παντὶ τῷ λαῷ.

Εἶτα προσκυνεῖ ὁ ἱερεὺς, ὁ-
μοίως καὶ ὁ διάκονος ἐν ᾧ
ἐστὶ τόπῳ, λέγοντες μυστι-
κῶς ἱρίς. Ὁ Θεὸς ἰλάσθητί
μοι τῷ ἁμαρτωλῷ. Ὅταν
δὲ εἶδῃ ὁ διάκονος τὸν ἱερέα
ἐκτείνοντα τὰς χεῖρας, καὶ
ἀπτόμενον τοῦ ἁγίου ἄρτου,
πρὸς τὸ ποιῆσαι τὴν ἁγίαν
ὑψωσιν, ἐκφωνεῖ.

Πρόσχωμεν. Καὶ ὁ ἱερεὺς
ὑψῶν τὸν ἅγιον ἄρτον, ἐκ-
φωνεῖ.

Τὰ ἅγια τοῖς ἁγίοις. Εἶτα
ζώννυται ὁ διάκονος τὸ ὠρά-
ριον αὐτοῦ σταυροειδῶς, καὶ
εἰσέρχεται ἐν τῷ ἁγίῳ βή-
ματι, καὶ στὰς ἐκ δεξιῶν

الهنا. من مسكنك المقدس
ومن كرسي مجد ملكك. وهلم
لتقدسنا ايها الجالس في العلا
مع الاب. والحاضر معنا ههنا
غير منظور. وارتض بان تشاركنا
بجسدك الطاهر. ودمك الكريم
من يدك المقتدرة. وبواسطتنا
تشارك بهما كل الشعب.

ثم يسجد الكاهن ومعه
الشماس في مكانه قائلين مرًا
ثلاث مرات

يا الله اغفر لي انا الخاطئ

وحينما الشماس يشاهد
الكاهن ماذا يديه لامسًا الخبز
المقدس ليصنع الرفعة القدسية
يعلن هو

جروسخو من

والكاهن اذ يرفع الخبز المقدس
يعلن

القدسات للقدسيين

ثم الشماس يتنثر بزارة شكل
صليب ويدخل الى الهيكل
المقدس ويقف من عن يمين

τῇ τῷ σου δυναμει τὰ πάντα
δημιουργήσας καὶ τῷ πλή-
θει τοῦ ἐλέους σου ἐξ οὐκ
ὄντων εἰς τὸ εἶναι παραγα-
γὼν τὰ σύμπαντα. Αὐτὸς
Δέσποτα οὐρανόθεν ἐπίδε
ἐπὶ τοὺς ὑποκεκλιότας σοι
τὰς ἐαυτῶν κεφαλὰς· οὐ γὰρ
ἐκλιναν σαρκί, καὶ αἵματι,
ἀλλὰ σοὶ τῷ φοβερώ Θεῷ.
Σὺ οὖν Δέσποτα τὰ προκεί-
μενα πᾶσιν ἡμῖν εἰς ἀγα-
θὸν ἐξομάλισον κατὰ τὴν ἐ-
κάστου ἰδίαν χρεῖαν, τοῖς
πλέουσι σύμπλευσον, τοῖς
ὁδοιποροῦσι συνόδευσον, τοὺς
νοσοῦντας ἰάσαι, ὁ Ἰατὴρ
τῶν ψυχῶν, καὶ τῶν σω-
μάτων.

Ἐκφώνησις.

Χ Ἀριτι, καὶ οἰκτιρμοῖς,
καὶ φιланθρωπία τοῦ μο-
νογενοῦ σου Υἱοῦ, μεθ' οὗ
εὐλογητὸς εἶ, σὺν τῷ πα-
ναγίῳ, καὶ ἀγαθῷ, καὶ ζωο-
ποιῷ σου Πνεύματι, νῦν,
καὶ αἰεὶ, καὶ εἰς τοὺς αἰῶ-
νας τῶν αἰώνων.

Π **Ὁ ἱερεὺς ἐπεύχεται.**
Πρόσχε Κύριε Ἰησοῦ Χρι-

لا تقدير لها. ابدعت الاشياء كافة.
وبكثرة رحمتك اخرجت الكل
من العدم الى الوجود. فانت
ايها السيد اطلع من السماء
على الذين احنوا لك رؤسهم.
لأنهم لم يحنوها للحم ودم. بل
لك ايها الاله المرهوب. فانت اذا
ايها الرب صيران تكون هذه
الموضوعات لصالح كل احد منا
اجمعين حسب احتياجه
الخصوصي. فاصحب السافرين
في البحر ورافق المسافرين في البر
واشف المرضى يا طبيب الانفس
والاجساد.

اعلاني

بنعمة ابنك الوحيد ورافته
ومحبته للبشر. الذي انت معه
مبارك مع روحك الكلي قدسه.
الصالح والصانع للحياة. الان وكل
اوان والى دهر الداهرين

وبصلي الكاهن

انصت ايها الرب يسوع المسيح

τα, εἰρηνικά, καὶ καλὴν
ἀπολογίαὶν τὴν ἐπὶ τοῦ φο-
βεροῦ βήματος, παρὰ τοῦ
Κυρίου αἰτησώμεθα.

Τὴν ἐνότητά τῆς πίστεως, καὶ
τὴν κοινωνίαν τοῦ ἁγίου Πνεύ-
ματος αἰτησάμενοι, ἑαυ-
τοὺς, καὶ ἀλλήλους, καὶ πᾶ-
σαν τὴν ζωὴν ἡμῶν Χριστῷ
Θεῷ παραδώμεθα.

Ἐκφώνως.

Καὶ καταξίωσον ἡμᾶς Δέ-
σποτα, μετὰ παρρησίας
ἀκατακρίτως ἰολμᾶν ἐπικα-
λεῖσθαι σε τὸν ἐπουράνιον
Θεὸν Πατέρα, καὶ λέγειν.

Ὁ λαὸς, τὸ, Πάτερ ἡμῶν.

Ὁ ἱερεὺς. Ὅτι σου ἐστὶν ἡ
βασιλεία, καὶ ἡ δύναμις,
καὶ ἡ δόξα τοῦ Πατρὸς, καὶ
τοῦ Υἱοῦ, καὶ τοῦ ἁγίου
Πνεύματος, νῦν καὶ αἰεὶ,
καὶ εἰς τοὺς αἰῶνας τῶν αἰ-
ῶνων· **εἶτα, Εἰρήνη πᾶσι.**

ὁ Διάκονος.

Τὰς κεφαλὰς ὑμῶν τῷ Κυ-
ρίῳ κλίνατε.

Ὁ ἱερεὺς ἐπεύχεται.

Εὐχαριστοῦμέν σοι Βασι-
λεῦ ἀόρατε, ὁ τῇ ἀμε-

الاتحاد في الامانة وشركة

الروح القدس اذ نحن طالبون
فدواتنا وبعضنا بعضا وجميع
حياتنا للمسيح الاله نودع .

ويعلن

واهلنا ايها السيد لان نجسر

بدالة وندعوك ابا غير مدانين
ياايها الاله السموي ونقول
والشعب ابانا

والكاهن

لان لك هو الملك والقوة

والمجد . ايها الاب والابن والروح
القدس . الان وكل اوان والى دهر
الداهرين

ثم يقول

السلام لجميعكم

الشمامس

احنوا روسكم للرب

والكاهن يصلي

نشكرك ايها الملك الغير

المنظور . يا من بقوةك التي

νῶν κληρονομίαν, εἰς παρ-
ρήσίαν τὴν πρὸς σέ, μὴ εἰς
κρίμα, ἢ εἰς κατάκριμα.

ὁ Διάκονος.

Ἀντιλαβοῦ, σῶσον, ἐλέησον,
καὶ διαφύλαξον ἡμᾶς ὁ Θεὸς
τῇ σῇ χάριτι.

Τὴν ἡμέραν πᾶσαν τελείαν,
ἀγίαν, εἰρηνικὴν, καὶ ἀνα-
μάρτητον, παρὰ τοῦ Κυρίου
αἰτησώμεθα.

Ἀγγελον εἰρήνης, πιστὸν ὁδη-
γόν, φύλακα τῶν ψυχῶν,
καὶ ἰῶν σωμάτων ἡμῶν, πα-
ρὰ τοῦ Κυρίου αἰτησώμεθα.

Συγγνώμην, καὶ ἄφεσιν τῶν
ἀμαρτιῶν, καὶ τῶν πλημ-
μελημάτων ἡμῶν, παρὰ τοῦ
Κυρίου αἰτησώμεθα.

Τὰ καλὰ, καὶ συμφέροντα
ταῖς ψυχαῖς ἡμῶν, καὶ εἰ-
ρήνην τῷ κόσμῳ, παρὰ τοῦ
Κυρίου αἰτησώμεθα.

Τὸν ὑπόλοιπον χρόνον τῆς
ζωῆς ἡμῶν ἐν εἰρήνῃ, καὶ
μετανοίᾳ ἐκτελέσαι ἡμᾶς,
παρὰ τοῦ Κυρίου αἰτησώ-
μεθα.

Χριστιανὰ τὰ τέλη τῆς ζωῆς
ἡμῶν, ἀνώδυνα, ἀνεπαίσχυν-

والشماس

اعضد وخلص وارحم
واحفظنا يا الله بنعمتك .

أن يكون يومنا جميعه كاملاً
مقدساً سلامياً وبغير خطية من
الرب نسأل .

ملك سلام مرشداً أميناً
وحافظاً لانفسنا واجسادنا من
الرب نسأل .

مساعدة خطايانا وغفران
زلاتنا من الرب نسأل .

الخبرات المفيدة لانفسنا
والسلام للعالم من الرب نسأل .
الباقى من زمن حياتنا أن
نكملة بسلام وتوبة من الرب
نسأل .

منتهاة حياتنا مسيحية
سلامية بلا وجع وبغير خزي
وجواباً حسناً لدى منبر المسيح
المرهوب من الرب نسأل .

ρων, τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν.

Ὅπως ὁ φιλανθρωπος Θεὸς ἡμῶν, ὁ προσδεξάμενος αὐτὰ εἰς τὸ ἅγιον, καὶ ὑπερουράνιον, καὶ νοερὸν αὐτοῦ θυσιαστήριον εἰς ὁσμὴν εὐωδίας πνευματικῆς, ἀντικαταπέμψῃ ἡμῖν τὴν θείαν χάριν, καὶ τὴν δωρεὰν τοῦ ἁγίου Πνεύματος, δεηθῶμεν.

Ὅτι περ τοῦ ῥυσθῆναι ἡμᾶς ἀπὸ πάσης θλίψεως, ὀργῆς, κινδύνου, καὶ ἀνάγκης, τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν.

Ὁ ἱερεὺς ἐπεύχεται.

Σοὶ παρακαλαζόμεθα τὴν ζωὴν ἡμῶν ἅπασαν, καὶ τὴν ἐλπίδα, Δέσποτα φιλάνθρωπε, καὶ παρακαλοῦμεν, καὶ δεόμεθα, καὶ ἱκετεύομεν· καταξίωσον ἡμᾶς μεταλαβεῖν τῶν ἐπουρανίων σου, καὶ φρικτῶν μυστηρίων ταύτης τῆς ἱεράς, καὶ πνευματικῆς τραπέζης, μετὰ καθαρῶς συνειδότος εἰς ἄφεσιν ἁμαρτιῶν, εἰς συγχώρησιν πλημμελημάτων, εἰς Πνεύματος ἁγίου κοινωνίαν, εἰς βασιλείας οὐρα-

حتى ان الهنا المحب البشر
القابلها على مذبحة المقدس
السماوى العقلى لرايحة عطر
زكية روحية يرسل لنا عوضها
النعمة الالهية وموهبة الروح
القدس نطلب .

من اجل نجائنا من كل حزن
ورجز وخطر وشدة من الرب
نطلب .

والكاهن يصلى

لك نودع حياتنا ورجائنا
جميعهما ياسيداً واداً للبشر .
ونطلب ونتضرع ونتوسل .
فاهلنا لتناول اسرارك السماوية
الرهيبه . من هذه المائدة
المقدسة الروحية . بضمير نقي
لمغفرة الخطايا . لمساحة الذنوب .
لشركة الروح القدس . لميرات
الملكوت السماوى . للعدالة
امامك . للمحكمة اولدينونة .

ρίας αὐτῶν· μνησθητι Κύριε
τῶν παρποφορούντων, καὶ
καλλιεργούντων ἐν ταῖς ἀ-
γλαῖς σου ἐκκλησίαις, καὶ
μεμνημένων τῶν πενήτων· καὶ
ἐπὶ πάντας ἡμᾶς ἰὰ ἐλέη σου
ἐξαποστείλον.

Ἐκφώνως.

Κ Αἱ δὲς ἡμῖν ἐν ἐνὶ στόμα-
τι, καὶ μιᾷ καρδίᾳ δο-
ξάζειν, καὶ ἀνυμνεῖν τὸ
πάντιμον καὶ μεγαλοπρε-
πὲς ὄνομά σου τοῦ Πατρὸς,
καὶ τοῦ Υἱοῦ, καὶ τοῦ ἁ-
γίου Πνεύματος, νῦν καὶ
ἀεὶ, καὶ εἰς τοὺς αἰῶνας τῶν
αἰώνων.

Ἐκφώνησις.

Κ Αἱ ἔσται τὰ ἐλέη τοῦ με-
γάλου Θεοῦ, καὶ Σωτή-
ρος ἡμῶν Ἰησοῦ Χριστοῦ
μετὰ πάντων ἡμῶν.

**Ὁ διάκονος λαβὼν καιρὸν πα-
ρὰ τοῦ ἱερέως, καὶ ἐξελθὼν,
καὶ στὰς ἐν τῷ συνηθῆ
τόπῳ, λέγει.**

Πάντων τῶν ἁγίων μνημονεύ-
σαντες, ἔτι καὶ ἔτι, ἐν εὐ-
χῇ τοῦ Κυρίου δεηθώμεν.

Ἦπὲρ τῶν προσκομισθέντων,
καὶ ἁγιασθέντων τιμίῳ δώ-

κναιίσκ . المقدسة .
والمتعاهدين المساكين . وارسل
مراحمك علينا اجمعين .

ثم يعلى

واعظنا ان نمجد بقم واحد
وقلب واحد . ونسج اسمك
الكلى الاكرام العظيم البها .
ايها الاب والابن والروح القدس .
الان وكل اوان والى دهر
الداهرين .

اعلان

ولكن مراحم الاله العظيم
مخلصنا يسوع المسيح مع جميعنا .
والشماس اذ ياخذ بركة من
الكاهن يخرج ويقف في مكانه
المعتاد قايلا

جميع القديسين اذ نحن
ذاكرون فايضا وايضا بسلام
من الرب نطلب .

من اجل هذه المواهب
الكريمة المقدمة والمقدسة من
الرب نطلب .

σεβεία, καὶ σεμνότητι.

Ἐκφώνως.

ΕΝ πρώτοις μνησθῆτι Κύριε τοῦ Ἀρχιεπισκόπου ἡμῶν (τοῦ δεῖνος), ὃν χάρισαι ταῖς ἀγλαίαις σου ἐκκλησίαις ἐν εἰρήνῃ, σῶον, ἔντιμον, ὑγιαῖ, μακροημερεύοντα, καὶ ὀρθοδομοῦντα τὸν λόγον Ἰῆς σῆς ἀληθείας.

Καὶ ὁ διάκονος πρὸς τῇ θύρᾳ
στάς, λέγει· τοῦ δεῖνος τοῦ
Πατριάρχου, Μητροπολί-
του, ἡ Ἐπισκόπου, ὅστις
ἂν ἦ, * καὶ τὰ λοιπὰ. Ὁ
διάκονος μνημονεύει τὰ διπ-
λῶς τῶν ζώντων.

Ὁ δὲ ἱερεὺς ἐπεύχεται.

Μνησθητι Κύριε τῆς πό-
λεως, ἐν ἣ παροικοῦμεν,
καὶ πάσης πόλεως καὶ χα-
ρας, καὶ τῶν ἐν πίστει οἰ-
κούντων ἐν αὐταῖς· μνησθητι
Κύριε πλεόντων, ὁδοιπορούν-
των, νοσούντων, καμνόντων,
αἰχμαλώτων καὶ τῆς σωτη-

Επιμελούμε τὸ ἐπαρμένον ἐν τῇ ἀρχῇ, 67
ἐν τῇ ἐκτῇ λειτουργίᾳ τοῦ τῆς Ῥώμης Ἀρχιε-
ρέως πρῶτως δεῖ μνημονεύειν ὅσα καὶ τοῦ Πα-
τριάρχου καὶ τοῦ ἰδίου Ἐπισκόπου ἰσχυρὰ κα-
τολοκεῖ ὡς ἐν κοινῇ τῆς Ἐκκλησίας τῆς
καθολικῆς Ῥώμης.

ويعلن

اذكر يارب اولاً ربيس كهنتنا
فلان و همه لکنایسك المقدسه
بسلام صحیحاً مكرماً معافى .
مديد الايام . قاطعاً باستقامه
كلمه حقك .

والشماس اذ يكون واقفا عند
الباب يقول البطرك فلان
والمطران او الاسقف الخ
حسيما يكون * ثم يذكـر
الشماس دبتيضا الاحيا
والكاهن يصلي

اذكر يارب المدينة التي نحن
قاطنون فيها، وكل المدن والقرى
والمومنين الساكنين فيها،
اذكر يارب السائرين في البحر،
والمسافرين في البر، والمرضى،
والمصابين، والمسلمين، وخلصهم،
اذكر يارب المقدمين الاثمار،
والمصانعين الاحسان في

طالع ساقيل في الابتداء انه في التهور
القديمه ينفذ ابن يصنع اولاً نذكر الحبر
الرومان لم بعده للبطرك ولتسقف للمصون
اذ كانا كاتوليكيين في حركة كنيسة روميه
القديمه

**Ὁ ἱερεὺς.
Ἐκφώνως.**

Εξαίρετως τῆς παναγίας,
ἀχράντου, ὑπερευλογη-
μένης, ἐνδόξου, Δεσποίνης
ἡμῶν Θεοτόκου, καὶ ἀειπαρ-
θέτου Μαρίας.

**Ὁ διάκονος μνημονεύει τὰ δι-
πτυχα τῶν κεκοιμημένων.**

Ὁ δὲ ἱερεὺς ἐπεύχεται.

Τοῦ ἁγίου Ἰωάννου τοῦ
προφήτου προδρόμου, καὶ
Βαπτιστοῦ, τῶν ἁγίων ἐνδό-
ξων, καὶ πανευφήμεων Ἀπο-
στόλων, τοῦ ἁγίου (τοῦ
δεῖνος), οὗ καὶ τὴν μνήμην
ἐπιτελοῦμεν καὶ πάντων τῶν
ἁγίων σου, ὧν ἰαῖς ἰκεσίαις
ἐπίσκεψαι ἡμᾶς ὁ Θεός· καὶ
μνησθῇτι πάντων τῶν προκε-
κοιμημένων ἐπ' ἐλπίδι ἀνα-
στάσεως ζωῆς αἰωνίου. **Εν-
ταῦθα ὁ ἱερεὺς μνημονεύει
ὧν θέλει ζώντων, καὶ ἰεθνεώ-
των ὑπὲρ ζώντων λέγει. Ὁ πᾶρ
σωτηρίας, ἐπισκέψεως, ἀ-
φέσεως τῶν ἁμαρτιῶν τοῦ
δούλου τοῦ Θεοῦ (τοῦ δεῖ-
νος) ὑπὲρ τεθνεώτων λέγει.
Ὁ πᾶρ ἀναπαύσεως, καὶ ἀ-**

والكاهن يعلن

خاصة ذات كل قداسة الطاهرة
الفايقة البركات المجيدة سيدتنا
والدة الاله الدائمة بكارتها مريم
والشماس يذكر دبتنضا

الراقدين والكاهن يصلى

والقديس يوحنا النبي
السابق الصابغ والقديسين
الرسل المجيدين الكلى مديهم.
والقديس فلان الذى نكمل
تذكاره. وجميع القديسين
الذين بطلباتهم افتقدنا يا الله.
ثم اذكر جميع المتوفين على
رجاء قيامه الحيوه الابدية.

ومنا يذكر الكاهن الذين

يريدهم من الاحياء ومن
الاموات. فمن اجل الاحياء يقول

من اجل خلاص عبد الله
فلان واقتقاده وغفران خطاياه
ويقول من اجل الموتي

من اجل مسامحة نفسه
عبدك فلان وراحتها في مكان
غير حيث عدم الوجد والتنهيد.

أنا الخاطي

Ὁ ἱερεὺς ἐπεύχεται.

Ἦ **Σ**τε γενέσθαι τοῖς μέλα-
 λαμβάνουσιν εἰς νῆψιν
 ψυχῆς, εἰς ἄφεσιν ἁμαρ-
 τιῶν, εἰς κοινωνίαν τοῦ ἁ-
 γίου Πνεύματος, εἰς βασι-
 λείας οὐρανῶν πλήρωμα, εἰς
 παρρησίαν τὴν πρὸς σέ, μὴ
 εἰς κρίμα, ἢ εἰς κατάκρι-
 μα. Ἐτι προσφερόμεν σοι
 τὴν λογικὴν ἑαυτὴν λαλρεῖαν
 ὑπὲρ ἰῶν ἐν πίστει ἀναπαυο-
 μένων, Προπατόρων, Πα-
 τέρων, Πατριαρχῶν, Προφη-
 τῶν, Ἀποστόλων, Κληρικών,
 Εὐαγγελιστῶν, Μαρτύρων,
 Ὁμολογητῶν, Ἐγκρατεῶ-
 ν, καὶ παντὸς πνεύματος
 ἐν πίστει τετελειωμένου.

Ὁ δὲ διάκονος θυμιᾷ τὴν ἁ-
 γίαν τράπεζαν γύρωθεν, καὶ
 μνημονεύει ὧν βούλει ζών-
 των, καὶ τεθνεώτων.

ينتقل الى المكان الذي
 كان واقفا فيه ويتناول
 المروحة ويرفرف على القديسات
 كما صنع قبلًا

والكاهن يصلي

لكي يكونا لمتناولين
 منهما لعقاف النفس . لمغفرة
 الخطايا . لشركة الروح القدس .
 لكمال ملكوت السموات .
 للدالة اليك . لا لحاكمه او
 لدينونه

ايضا نقرب لك هذه الذبيحة
 النطقية من اجل المتنيحيين
 بامانة الاجداد . والابا . وروسا
 الابا . والانبييا . والرسول .
 والوعاظيين . والمبشرين .
 والشهدا . والمعترفين . والنسك .
 وروح كل صديق تدفني على
 الامانة .

ثم ان الشمس يبيض حول
 المائدة المقدسة ويذكر الذين
 يعاشهم من الاحياء والاموات

γῶν λέγει.

Τὸ δὲ ἐν τῷ ποτηρίῳ τούτῳ,
τίμιον αἷμα τοῦ Χριστοῦ
σου. Ὁ διάκονος. Ἀμήν.
Καὶ αὖθις ὁ διάκονος δει-
κνύων μετὰ τοῦ ὡραρίου ἀμ-
φότερα τὰ ἅγια, λέγει. Εὐ-
λόγησον δέσποτα τὰ ἀμφό-
τερα. Ὁ δὲ ἱερεὺς εὐλογῶν
ἀμφοτέρα τὰ ἅγια, λέγει.

Μεταβαλὼν τῷ Πνεύματί σου
τῷ ἁγίῳ, Ὁ διάκονος. Ἀμήν,
ἀμήν, ἀμήν.

Καὶ τὴν κεφαλὴν ὑποκλίνας
ὁ διάκονος τῷ ἱερεῖ· καὶ εἰ-
πὼν τὸ, Μνήσθητί μου ἅγιε
δέσποτα τοῦ ἁμαρτωλοῦ,
ἴσται ἐν ᾧ πρότερον ἴσται
τόπῳ, καὶ λαβὼν τὸ ῥιπίδιον,
ῥιπίζει τὰ ἅγια, ὡς καὶ τὸ
πρότερον.

وامنع اما هذا الخبز المقدس
مسيحك المكرم.

والشماس امين

ثم يردف هو نفسه قائلًا

بارك ياسيد هذه الكأس
المقدسة

والكاهن يبارك قائلًا

وما في هذه الكأس. قدم
مسيحك المكرم.

والشماس امين

والشماس من جديد يشير
بالزئار نحو القديسات كليهما
قائلًا

باركهما ياسيد كليهما

والكاهن يبارك الشكليين
المقدسيتين كليهما قائلًا

اذ انك نقلتهما بروحك
القدس

والشماس

امين امين امين

ثم اذ يحنى الشماس راسه
للكاهن ويقول

اذكري ايها السيد القديس

καὶ ἱκετεύομεν· κατὰπεμ-
ψον τὸ Πνεῦμά σου τὸ ἅγιον
ἐφ' ἡμᾶς, καὶ ἐπὶ τὰ προ-
κείμενα δῶρα ταῦτα.

Καὶ ὁ μὲν διάκονος ἀποτίθη-
σι τὸ ῥίπιδιον, καὶ ἔρχεται
ἐγγύτερον τῷ ἱερεῖ, καὶ προ-
σκυνοῦσιν ἀμφότεροι τρεῖς
ἐμπροσθεν τῆς ἁγίας τρα-
πέζης, εὐχόμενοι καθ' ἑαυ-
τοὺς, καὶ λέγοντες τὸ, Κυ-
ριε, ὁ τὸ πωνάγιόν σου Πνεῦ-
μα· στίχ. Καρδίαν καθαρὰν.
Πάλιν τὸ αὐτὸ· στίχ. Μὴ
ἀπορρίψης με ἀπὸ τοῦ προ-
σώπου σου· Καὶ αὖθις το
αὐτό. Εἰτα ἵην κεφαλὴν ὑπο-
κλίνας ὁ διάκονος, καὶ δει-
κνύων σὺν τῷ ὡραρίῳ τὸν ἅ-
γιον ἄρτον, λέγει μυστικῶς.
Εὐλόγησον δέσποτα τὸν ἅ-
γιον ἄρτον· καὶ ὁ ἱερεὺς ἀνι-
στάμενος, σφραγίζει τρεῖς
τὰ ἅγια δῶρα, λέγων.
Καὶ ποίησον τὸν μὲν ἄρτον
τοῦτον, τίμιον σῶμα τοῦ
Χριστοῦ σου· Ὁ διάκονος.
Ἀμήν· Καὶ αὖθις ὁ αὐτός.
Εὐλόγησον δέσποτα τὸ ἅγιον
ποτήριον· καὶ ὁ ἱερεὺς εὐλο-

المواهب الموضوعة .

واما الشماس فيضع المروحة
ويدهنو من قرب الكاهن
ويصعدان كلاهما ثلث
مرات امام المائدة المقدسة
مسليين في ذاتيهما وقايلين
يارب روحك الكلى قدسه الخ

ستيفنى

قلبا نقيًا اخلق الخ

وتعاد ايضا

يارب روحك

ستيفنى

لا تطرحنى من امام وجهك الخ

وتعاد ايضا

يارب

ثم يحض الشماس راسه ويشير
بالزغار نحو الخبز المقدس قايلا
مرأ

بارك ياسيد هذا الخبز
المقدس .

واذ ينتصب الكاهن يحتم
المواهب المقدسة شكل صليب
ثلث مرات قايلا

Ὁ ἱερεὺς μυστικῶς.

Ὀμοίως καὶ τὸ ποτήριον με-
τὰ τὸ δειπνῆσαι, λέγων.

Ἐκφώνησις.

ΠΙΕΤΕ ΕΞ ΑΥΤΟΥ ΠΑΝΤΕΣ ,
ΤΟΥΤΟ ΕΣΤΙ ΤΟ ΑΙΜΑ ΜΟΥ ,
ΤΟ ΤΗΣ ΚΑΙΝΗΣ ΔΙΑΘΗΚΗΣ ,
ΤΟ ΥΠΕΡ ΥΜΩΝ , ΚΑΙ ΠΟΛ-
ΛΩΝ ΕΚΧΥΝΟΜΕΝΟΝ ΕΙΣ
ΑΦΕΣΙΝ ΑΜΑΡΤΙΩΝ. Ὁ ΧΟ-

ρός· Ἀμήν.

Ὁ ἱερεὺς ἐπεύχεται.

Μ Εμνημένοι τοίνυν τῆς σω-
τηρίου ταύτης ἐντολῆς·
καὶ πάντων τῶν ὑπὲρ ἡμῶν
γεγενημένων, τοῦ σταυροῦ,
τοῦ τάφου, τῆς τριημέρου
ἀναστάσεως, τῆς εἰς οὐρα-
νοὺς ἀναβάσεως, τῆς ἐκ δε-
ξιῶν καθέδρας, τῆς δευτέρας
καὶ ἐνδόξου πάλιν παρου-
σίας. Ἐκφώνησις.

Τὰ σὰ ἐκ τῶν σῶν σοὶ προσ-
φέρομεν κατὰ πάντα, καὶ
διὰ πάντα.

Ὁ ἱερεὺς ἐπεύχεται.

ΕΤΙ προσφερόμεν σοι τὴν
λογικὴν ταύτην, καὶ ἀ-
ναίμακτον λαγρείαν, καὶ πα-
ρακαλοῦμεν, καὶ δεόμεθα

أعلان

اشربوا من هذا كلکم . هذا
هو دمی العهد الجدید . الذی
یہراق عنکم وعن کثیرین .
لمغفرة الخطایا .

الخوص أمين

والكاھن یصلی

ونحن إذا متذكرون هذه
الوصية الخلاصية . وجميع
الصايرات من أجلنا . الصلب .
والقبر . والقيامة في اليوم
الثالث . والصعود الى السموات .
والجلوس من عن الميامن .
والمجي الثاني المجيد ايضاً .

اعلان

فالتى لك من التى لك . نقدم
لك عن كل شىء . ومن اجل
كل شىء .

والکاهن یصلی

أيضاً تقرب لك هذه الذبيحة
النطقية الغير الدموية. ونطلب
ونتضرع ونسال . فارسل روحك
القدس علينا وعلى هذه

τὴν ὑπὲρ ἡμῶν οἰκονομίαν
πληρώσας τῇ νυκτὶ, ἡ πα-
ρεδίδωτο, μαῶλλον δὲ ἐαυτὸν
παρεδίδου ὑπὲρ τῆς τοῦ κό-
σμου ζωῆς, λαβὼν ἄετον
ἐν ταῖς ἀγίαις αὐτοῦ, καὶ
ἀχράντοις, καὶ ἀμωμήτοις
χερσὶν, εὐχαριστήσας, καὶ
εὐλογήσας, ἀγιάσας, κλα-
σας, ἔδωκε τοῖς ἀγίοις αὐ-
τοῦ μαθηταῖς, καὶ ἀποστό-
λοις εἰπών.

Ἐκφώνησις.

ΛΑΒΕΤΕ, ΦΑΓΕΤΕ, ΤΟΥΤΟ
ΜΟΥ ΕΣΤΙ ΤΟ ΣΩΜΑ, ΤΟ
ΥΠΕΡ ΥΜΩΝ ΚΛΩΜΕΝΟΝ ΕΙΣ
ΔΦΕΣΙΝ ΑΜΑΡΤΙΩΝ. Ὁ χορ.
Ἀμήν.

Τούτου δὲ λεγομένου, δεικνύει
τῷ ἱερεῖ ὁ διάκονος τὸν ἅγιον
δίσκον, κρατῶν καὶ τὸ ὠρά-
ριον τοῖς ἱεροῖς δακτύλοις τῆς
δεξιᾶς. Ὁμοίως καὶ ὅταν λέ-
γει ὁ ἱερεὺς τὸ, Πίετε ἐξ
αὐτοῦ πάντες.

Σύνδεικνύει καὶ αὐτὸς τὸν ἅγιον
ποτήριον,

كل التدبير. ففي الليلة التي
أُسلم فيها. وبأخرى أسلم ذاته
من أجل حياة العالم. اخذ
خبزاً بيديه المقدستين
الطاهرتين اللتين لا عيب
فيهما. فشكر. وبارك. وقُدس.
وكسر. وأعطى تلاميذه الرسل
القديسين قايلاً.

اعلاني

خذوا فكلوا هذا هو جسد
الذي يكسر من أجلكم لمغفرة
الخطايا.

والخوص أمين

وحينما يقال هذا من
الكاهن فالشماس يشير إلى
الصينية المقدسة ضابطاً الزنار
بثلاثة أصابع يمينه ومثل
ذلك حينما يقول الكاهن
اشربوا من هذا كلكم فيشير
هو نحو الكأس المقدسة
والكاهن يقول سراً

ومثل ذلك الكأس بعد العشا
قايلاً

τάρσια, πλερωτά.

Ἐκφωνησις.

Τὸν ἐπινίκιον ὕμνον ἄδοντα,
βοῶντα, κεκραγότα, καὶ
λέγοντα:

**Ἐνταῦθα πάλιν λαβὼν ὁ διά-
κονος τὸν ἀστερίσκον ἐκ τοῦ
ἁγίου δίσκου, ποιεῖ σταυ-
ροῦ τύπον ἐπάνω αὐτοῦ· καὶ
ἀσπασάμενος αὐτὸν ἀποτί-
θησιν.**

Ὁ δὲ ἱερεὺς ἐπεύχεται.

Μετὰ τούτων, καὶ ἡμεῖς
τῶν μακαρίων δυνάμεων,
Δέσποια φιλάνθρωπε, βοῶ-
βεν καὶ λέγομεν· ἅγιος εἶ,
καὶ πανάγιος, σὺ, καὶ ὁ
μονογενὴς σου Υἱὸς, καὶ τὸ
Πνεῦμά σου τὸ ἅγιον· ἅγιος
εἶ, καὶ πανάγιος, καὶ με-
γαλοπρεπὴς ἡ δόξα σου, ὅς
τὸν κόσμον σου οὕτως ἠγά-
πησας, ὥστε τὸν μονογενῆ
σου Υἱὸν δοῦναι, ἵνα πᾶς ὁ
πιστεύων εἰς αὐτὸν, μὴ ἀπό-
ληται, ἀλλ' ἔχῃ ζωὴν αἰώ-
νιον· ὅς ἐλθὼν, καὶ πᾶσαν

الشاروبيم والسارافيم ذووا السنة
الاجنه . الكثيروا الاعين
مرفقين وطايرين .

اعلان

مرتلين تسبيح الظفر
هاتفين وصارخين وقايلين .
والشماس حينئذ يرفع
النحم من الصينية المقدسة
ويعمل به رسم صليب فوقها
ويقبله ويضعه جانباً

الكاهن يصلي

مع هولاء القوات الطوباويين
ايها السيد المحب البشر نحن
ايضاً نهتف ونقول . قدوس انت
وكلي القدس . انت واجنك
الوحيد وروحك القدوس .
قدوس انت وكلي القداسة .
وعظيم هو مجدك . انت الذي
احببت عالمك هكذا . حتى
انك اعطيت ابنك الوحيد .
لكيلا يهلك كل من يؤمن به .
بل تكون له الحياة الابدية . ذاك
الذي اذ اتى واكمل من اجلنا

Θεὸς ἀνέκφραστος, ἀπερινόητος, ἀόρατος, ἀκαταληπτός, αἰὲν ὢν, ὡσαύτως ὢν, σὺ, καὶ ὁ μονογενὴς σου Υἱὸς, καὶ τὸ Πνεῦμά σου τὸ ἅγιον. Σὺ ἐκ τοῦ μὴ ὄντος εἰς τὸ εἶναι ἡμᾶς παρήγαγες· καὶ παραπεσόντας ἀνέστησας πάλιν· καὶ οὐκ ἀπέστης πάντα ποιῶν, ἕως ἡμᾶς εἰς τὸν οὐρανὸν ἀνήγαγες, καὶ τὴν βασιλείαν σου ἐχαρίσω τὴν μέλλουσαν. Ὑπὲρ ἰούτων ἀπάντων εὐχαριστοῦμέν σοι, καὶ τῷ μονογενεῖ σου Υἱῷ, καὶ τῷ Πνεύματί σου τῷ ἁγίῳ, ὑπὲρ πάντων, ὧν ἴσμεν, καὶ ὧν οὐκ ἴσμεν, ἰῶν φανερῶν, καὶ ἀφανῶν ἐυεργεσιῶν τῶν εἰς ἡμᾶς γεγεννημένων. Εὐχαριστοῦμέν σοι καὶ ὑπὲρ τῆς λειτουργίας ταύτης ἣν ἐκ τῶν χειρῶν ἡμῶν δέξασθαι κατηξίωσας· καί τοι σοι παρεστήκασι χιλιάδες Ἀρχαγγέλων, καὶ μυριάδες Ἀγγέλων, ἰὰ Χερουβὶμ, καὶ τὰ Σεραφὶμ, ἑξαπτέρυγα, πολυόμματα, με-

نسبحك. ونباركك. ونمدحك. ونشكرك. ونسجد لك في كل موضع سيادتك. لانك انت هو الاله العديم الوصف. الغير الممكن احواه بعقل. الممتنع النظر اليه. الفايق الادراك. السرمدى. الكاين بالخال ذاته ونفسه. انت وابنك الوحيد. وروحك القدوس. انت الذى اخرجتنا من العدم الى الوجود. ولما سقطنا اقمتنا ايضا. ولم تبرح صانعا كل شى. الى ان اصعدتنا الى السما. ووهبتنا ملكك العتيد. فمن اجل هذه كلها لك نشكر. ولابنك الوحيد. ولروحك القدوس. عن كل ما نعلمه وما لا نعلمه من الاحسانات الصائرة الينا. الظاهرة والغير الظاهرة. لك نشكر من اجل هذه الخدمة ايضا. التى ارتضيت بان تقبلها من ايدينا. مع انهم منتصبون لديك الوف روساء ملكة. وريوات ملكة.

Θεόν.

ὁ Διάκονος.

Σ τῶμεν καλῶς, στῶμεν
μετὰ φόβου προσκωμεν,
τὴν ἁγίαν ἀναφορὰν ἐν εἰρή-
νῃ προσφέρειν.

Καὶ ὁ μὲν ἱερεὺς ἐπάρας τὸν
ἀέρα ἀπὸ τῶν ἁγίων, ἀπο-
τίθῃσιν ἐν ἐνὶ τόπῳ, λέγων.
Ἡ χάρις τοῦ Κυρίου. Ὁ δὲ
διάκονος προσκυνήσας, εἰ-
σέρχεται ἐν τῷ ἁγίῳ βήμα-
τι, καὶ λαβὼν ῥιπίδιον,
ῥίπίζει τὰ ἅγια εὐλαβῶς.

Ἐκφώνησις.

Η Χάρις τοῦ Κυρίου ἡμῶν
Ἰησοῦ Χριστοῦ, καὶ ἡ
ἀγάπη τοῦ Θεοῦ καὶ Πα-
τρὸς, καὶ ἡ κοινωνία τοῦ
ἁγίου Πνεύματος εἴη μετὰ
πάντων ἡμῶν.

Ανω σχῶμεν τὰς καρδίας.

Εὐχαριστήσωμεν τῷ Κυ-
ρίῳ.

Ὁ ἱερεὺς ἐπεύχεται.

Α Ξιον καὶ δίκαιον σὲ ὑμ-
νεῖν, σὲ εὐλογεῖν, σὲ
αἰνεῖν, σοὶ εὐχαριστεῖν, σὲ
προσκυνεῖν ἐν παντὶ ὁπῶι ἡς
δεσποτείας σου. Σὺ γὰρ εἶ

بتمامها، والكاهن يرفع السترة عن
القدسات ويضعه في احد
الامكنة

الشماس

فلنقف حسنًا ولنقف بخوف.
فلنصغ لنقدم بسلام القربان
المقدس

والكاهن بعد أن يكور
رفع الغطا الكبير من على
القدسات يضعه في مكان
ما قايلاً

نعمة ربنا اله

ثم ان الشماس بعد أن يدخل
الهيكل المقدس يتناول المروحة
ويجرف بها فوق القدسات بورع
أعلان

نعمة ربنا يسوع المسيح ومحبة
الله الاب، وشركة الروح القدس
فلتكن مع جميعنا.

فلنرفع قلوبنا فوقًا

فلنمكر الرب

الكاهن يصلي

استحقاق وعدل هو ان

καὶ αἰπαρθένου Μαρίας ,
μετὰ πάντων τῶν ἁγίων μνη-
μονεύσαντες , ἑαυτοὺς , καὶ
ἀλλήλους , καὶ πᾶσαν τὴν
ζωὴν ἡμῶν Χριστῷ τῷ Θεῷ
παραδώμεθα.

Ὁ ἱερεὺς ἐκφωνῶς.

Δὶ τῶν οἰκτιρισμῶν τοῦ μο-
νογενοῦς σου Υἱοῦ , μεθ'
οὗ εὐλογητὸς εἶ σὺν τῷ πα-
ναγίῳ , καὶ ἀγαθῷ , καὶ
ζωοποιῷ σου Πνεύματι ,
νῦν καὶ αἰεὶ , καὶ , εἰς τοὺς
αἰῶνας τῶν αἰώνων. **Ὁ ἱε-
ρεὺς.** Εἰρήνη πᾶσι.

ὁ Διάκονος.

Ἀγαπήσωμεν ἀλλήλους , ἵνα
ἐν ὁμονοίᾳ ἐμολογήσωμεν.

Καὶ ὁ μὲν ἱερεὺς προσκυνήσας
τρὶς , ἀσπάζεται τὰ ἁγία
οὕτως ὡς εἰσὶ κεκαλυμμέ-
να· ὁμοίως δὲ καὶ ὁ διάκονος
συμπροσκυνεῖ , ἐν ᾧ ἴσθαι
τόπω , καὶ ἀσπάζεται τὸ
ῥάριον αὐτοῦ , ἔνθα ἐστὶ
σταυροῦ τύπος , καὶ οὕτως
ἐκφωνεῖ.

**Τὰς θύρας , τὰς θύρας· ἐν σο-
φίᾳ πρόσχωμεν.**

Ὁ λαὸς τὸ , Πιστεύω εἰς ἓνα

و جميع حياتنا للمسيح الاله
نودع

والكاهن يعلن

لاجل رافات ابنك الوحيد
الذي انت معه مبارك مع
روحك الكلي قدسه الصالح
والصانع للحياة الان وكل اوان
والى دهر الداهرين .

الكاهن

السلام لجميعكم

الشماس

فليصحب بعضنا بعضا لكي

نعترف بنية واحدة

اما الكاهن فيسجد ثلثا
ويقبل القدسات وهي مستورة
بالغطا ومثل ذلك يصعد
الشماس في المكان الذي هو
واقف فيه . ويقبل زناره حيث
يوجد رسم الصليب وهكذا
يعلن قائلا

الابواب الابواب مكممة

فلننصت

والصعب فومن بالله واحد

κινδύνου, καὶ ἀνάγκης, τοῦ
Κυρίου δεηθῶμεν.

**Εὐχὴ προσκομιδῆς μετὰ τὴν
ἐν τῇ ἁγίᾳ τραπέζῃ τῶν θείων
δώρων ἀπόδεσιν.**

Κ Τεὶς ὁ Θεὸς ὁ παντοκρά-
τωρ, ὁ μόνος ἅγιος, ὁ
δεχόμενος θυσίαν αἰνέσεως
παρὰ τῶν ἐπικαλουμένων σε
ἐν ὅλῃ καρδίᾳ, πρόσδεξαι
καὶ ἡμῶν τῶν ἁμαρτωλῶν
τὴν δέησιν, καὶ προσάγαγε
τῷ ἁγίῳ σου θυσιαστηρίῳ,
καὶ ἱκάνωσον ἡμᾶς προ-
σευγεῖν σοι δῶρά τε, καὶ
θυσίας πνευματικὰς ὑπὲρ
τῶν ἡμετέρων ἁμαρτημάτων,
καὶ τῶν τοῦ λαοῦ ἀγνοημά-
των· καὶ καταξίωσον ἡμᾶς
εὐρεῖν χάριν ἐνώπιόν σου,
τοῦ γενεσθαι σοι εὐπρόσδε-
κτον τὴν θυσίαν ἡμῶν, καὶ
ἐπισκηνώσαι τοῦ Πνεύματος
χάριτός σου τὸ ἀγαθὸν ἐφ'
ἡμᾶς, καὶ ἐπὶ τὰ προκεί-
μενα δῶρα ταῦτα, καὶ ἐπὶ
πάντα τὸν λαὸν σου.

ὁ Διάκονος.

Αντιλαβοῦ, σῶσον, ἐλεή-
σον, καὶ διαφυλάξον ἡμᾶς

**من اجل نجاتنا من كل حزن
ورجز وخطر وشدة من الرب
نطلب.**

**افشين التقديمه الذي يقوله
الكاهن سراً بعد وضع المواهب
الالهية على المائدة المقدسة
ايها الرب الاله الضابط الكل.**

القدوس وحده. القابل
ذبيحة التسبيح من الداعين
اياك من كل القلب. اقبل منا
عن الخطاة ايضاً طلبتنا هذه
وقدمها الى مذبحك المقدس.
واجعلنا كفواً لان نقدم لك
قرايين وذبايح روحية من اجل
خطايانا وجهالات الشعب.
واهلنا لان نجد نعمة امامك.
لكي تكون ذبيحتنا لديك
حسنة القبول. وليستقر روح
نعمتك الصالح علينا. وعلى
هذه المواهب الموضوعة. وعلى
شعبك كافة.

الشماس

اعصم وخلص وارحم

συλλειτουργήσῃ ἡμῖν πά-
σας τὰς ἡμέρας τῆς ζωῆς
ἡμῶν.

**Εἶτα καὶ ὁ διάκονος ὑποκλί-
νας καὶ αὐτὸς τὴν κεφαλὴν,
κρατῶν ἅμα καὶ τὸ ὠράριον
τοῖς ἱεροῖς δάκτυλοις τῆς δε-
ξιᾶς, λέγει πρὸς τὸν ἱερέα .**
Μνήσθητί μου δέσποια ἄγιε.

Καὶ ὁ ἱερεύς. Μνήθειν σου
Κύριος ὁ Θεὸς ἐν τῇ βασι-
λείᾳ αὐτοῦ, πάντοτε, νῦν
καὶ ἀεὶ καὶ εἰς τοὺς αἰῶνας
τῶν αἰώνων.

**Καὶ ἐπειπὼν τὸ Ἀμήν καὶ
ἀσπασάμενος τὴν τοῦ ἱερέως
δεξιάν, ἐξέρχεται, καὶ σιᾶς
ἐν τῷ συνηθεῖ τόπῳ λέγει.**

Πληρώσωμεν τὴν δέησιν ἡμῶν
τῷ Κυρίῳ.

Ἦ πὲρ τῶν προτεθέντων τι-
μίων δώρων, τοῦ Κυρίου
δεηθώμεν.

Ἦ πὲρ τοῦς ἁγίου οἴκου τού-
του, καὶ τῶν μετὰ πίστεως,
εὐλαβείας, καὶ φόβου Θεοῦ
εἰσιόντων ἐν αὐτῷ, τοῦ Κυ-
ρίου δεηθώμεν.

Ἦ πὲρ τοῦ ῥυσθῆναι ἡμᾶς ἀπὸ
πάσης θλίψεως, ὀργῆς,

والكاهن

**هذا الروح ذاته فليوازرنا في
الخدمة جميع ايام حياتنا**

**ثم يحنى الشمامس ايضا راسه
منابطا الزنار بعلته اصابع يده
اليمنى ويقول نحو الكاهن**

اذكرني ايها السيد القديس

والكاهن

**يذكر الرب الاله في ملكوته
كل حين الان وكل اوان والى
دهر الدهرين .**

فيقول امين

**ويقبل يمين الكاهن ويخرج
فيقف في مكانه المعتاد قائلا
فلنكمل طلبتنا للرب .**

**من اجل هذه المواهب
المكرمة الموضوعة من الرب
نطلب .**

**من اجل هذا البيت المقدس
والداخلين اليه بامانة وورع
وخوف الله من الرب نطلب .**

τραπέζης τὸν δὲ αἶρα ἀπὸ
τῶν τοῦ διακόνου ὤμων λα-
βὼν, καὶ θυμιάσας σκεπά-
ζει δι' αὐτοῦ τὰ ἅγια, λέγων.

Ὁ εὐσχήμων Ἰωσήφ· ἕως τοῦ,
κηδεύσας ἀπέθετο. **Καὶ** λα-
βὼν τὸν θυμιατὸν ἐκ τῶν τοῦ
διακόνου χειρῶν, θυμιά τὰ
ἅγια τρίς, λέγων. **Τ**ότε
ἀνοίσουσιν ἐπὶ τὸ θυσιασ-
τήριόν σου μόσχους. **Καὶ**
ἀποδοὺς τὸν θυμιατὸν, καὶ
χαλάσας τὸ φελώνιον, κλί-
νας τε τὴν κεφαλὴν λέγει
πρὸς τὸν διάκονον.

Μνησθητί μου ἀδελφε καὶ
συλλειτουργέ.

Καὶ ὁ διάκονος πρὸς αὐτόν.

Μνησθεὶν Κύριος ὁ Θεὸς τῆς
ἱερωσύνης σου ἐν τῇ βασι-
λείᾳ αὐτοῦ.

Καὶ ὁ ἱερεὺς πρὸς τὸν
διάκονον.

Εὗξαι ὑπὲρ ἐμοῦ Συλλει-
τουργέ μου.

Καὶ ὁ διάκονος.

Πνεῦμα ἅγιον ἐπελεύσεται
ἐπὶ σέ, καὶ δύναμις Ὑψί-
στου ἐπισκιάσει σοι. **Καὶ ὁ**
ἱερεὺς. **Αὐτὸ** τὸ Πνεῦμα

من على كتفى الشماس ويبخرة
ويغطي به القدسات قايلًا أن
يوسف الحسن الشكل الى حد
ووضعه به. وياخذ المبخرة
من يدي الشماس ويبخر
القدسات ثلاث مرات قايلًا
حينئذ يقرءون على مذاحك
العجول.

ثم يعطى المبخرة ويحسب
الغالونيون ويحنى راسه قايلًا نحو
الشماس

اذكرني يا اخًا وشريكًا في
الخدمة

والشماس يجاوبه

ينكر الرب الاله كهنتك
في ملكوته

الكاهن نحو الشماس

صل من اجلي يا شريكًا لي في
الخدمة

والشماس

الروح القدس ياتي عليك
وقوة العلى تظلك

κονος ἔνδον τῶν ἁγίων θυρῶν,
ἵσταται ἐν τοῖς δεξιοῖς. Καὶ
μέλλοντος τοῦ ἱερέως εἰσελ-
θεῖν, λέγει πρὸς αὐτὸν ὁ
διάκονος.

Μνησθεὶν Κύριος ὁ Θεὸς τῆς
ἱερωσύνης σου ἐν τῇ βασι-
λείᾳ αὐτοῦ. **Καὶ ὁ ἱερεὺς**
πρὸς αὐτόν.

Μνησθεὶν Κύριος ὁ Θεὸς τῆς
ἱεροδιακονίας σου ἐν τῇ βα-
σιλείᾳ αὐτοῦ πάντοτε, νῦν
καὶ ἀεὶ, καὶ εἰς τοὺς αἰῶ-
νας τῶν αἰώνων.

Καὶ ὁ μὲν ἱερεὺς ἀποτίθησι
τὸ ἅγιον ποτήριον ἐν τῇ ἁ-
γίᾳ τραπέζῃ· τὸν δὲ ἅγιον
δίσκον λαβὼν ἀπὸ τῆς τοῦ
διακόνου κεφαλῆς, ἀποτί-
θησι καὶ αὐτὸν ἐν τῇ ἁγίᾳ τρα-
πέζῃ, λέγων.

Ὁ εὐσχήμων Ἰωσήφ· ἀπὸ τοῦ
ξέλου καθελὼν· ἕως τέλους.
Ἐν τάφῳ σωματικῶς. **Ὡς**
ζωηφόρος· ὡς παραδείσου
ὠραιότερος.

Εἴτα τὰ μὲν καλύμματ' ἀφ' ἧς
ἀπὸ τοῦ ἱεροῦ δίσκου, καὶ
τοῦ ἁγίου ποτηρίου, τίθη-
σιν ἐν ἐνὶ μέρει τῆς ἁγίας

يقول نحوه الشمس

يذكر الرب الاله كهنتك

في ملكوته

والكاهن يقول نحوه

يذكر الرب الاله خدمتك

المقدسة في ملكوته كل حين .

الان وكل اوان والسى دهر

الداهرين

واما الكاهن فيضع الكاس

المقدسة على المائدة المقدسة .

ثم يتناول الصينية المقدسة من

على راس الشمس ويضعها على

المائدة المقدسة قائلاً

ان يوسف الحسن الشكل

احذر من الخشيه الخ

يامن كان في القبر بالجسد

الخ .

ايها المسيح ان قبرك الحامل

الحياة استبان بالحقيقه ابهي

من الفردوس الخ .

ثم يرفع غطا الصينية وغطا

الكاس ويضعهما في جانب

المائدة المقدسة ويتناول المقر

προπορευομένου τοῦ διακόνου. Καὶ θυμιάσας τὰ ἅγια, καὶ ἑαυτὸν εὐχόμενος τὸ, Ὁ Θεὸς ἰλασθῆναι μοι τῷ ἁμαρτωλῷ, λέγει πρὸς τὸν ἱερέα, Ἐπαραι δέσποτα. Καὶ ὁ ἱερεὺς ἄρας τὸν αἶρα, ἐπιτίθῃσι τῷ ἀριστερῷ ὤμῳ αὐτοῦ λέγων.

Ἐπαραι τὰς χεῖρας ἡμῶν εἰς τὰ ἅγια, καὶ εὐλογεῖτε τὸν Κύριον. Εἶτα τὸν ἅγιον δίσκον λαβὼν, ἐπιβάλλει τῇ τοῦ διακόνου κεφαλῇ, μετὰ πάσης προσοχῆς καὶ εὐλαβείας ἔχων ἅμα ὁ διακόνος καὶ τὸν θυμιατὸν ἐν τῶν δακτύλων. Αὐτὸς δὲ τὸ ἅγιον ποτήριον ἀνὰ χεῖρας λαβὼν, ἐξέρχονται διὰ τοῦ βορείου μέρους, προπορευομένων αὐτῶν λαμπάδων. Καὶ περιέρχονται τὸν ναὸν, εὐχόμενοι καὶ ἑαυτοὺς, καὶ λέγοντες.

Πάντων ἡμῶν μνησθεῖν Κύριος ὁ Θεὸς ἐν τῇ βασιλείᾳ αὐτοῦ, πάντοτε, νῦν καὶ αἰεὶ, καὶ τοὺς αἰῶνας τῶν αἰώνων. Εἰσελθὼν δὲ ὁ διά-

κόνος

ثم يقول نحو الكاهن

ارفع يايين

والكاهن يرفع الستر الفوقاني

ويضعه على كتف الشمس

الشمالية قايلاً

ارفعوا ايديكم الى المقدس

وباركوا الرب

ثم ياخذ الصينية المقدسة

ويضعها على رأس الشمس بكل

احتراس وورع واذ يكون الشمس

واضعا المبخرة في احد اصابعه

فيمناول الكاس المقدسة بيديه

ويخرجان من ناحية الشمال

وتتقدمهما المصابيح ويحولان

حول الهيكل مصليين في

ذاتيها وقايلين

يذكر الرب الاله جميعنا

في ملكوته كل حين. الان

وكل اوان والى دهر الداهرين.

ويدخل الشمس داخل

الابواب المقدسة ويقف من عن

اليمين وحينما يدخل الكاهن

μηδὲ ἀποδοκιμάσης με ἐκ
καίδων σου· ἀλλ' ἀξίωσον
προσενεχθῆναι σοι ὑπ' ἐμοῦ
τοῦ ἁμαρτωλοῦ, καὶ ἀναξίου
δούλου σου τὰ δῶρα ταῦτα.
Σὺ γὰρ εἶ ὁ προσφέρων, καὶ
προσφερόμενος, καὶ προσδε-
χόμενος καὶ διαδιδόμενος,
Χριστέ ὁ Θεὸς ἡμῶν, καὶ σοὶ
τὴν δόξαν ἀναπέμπομεν, σὺν
τῷ ἀνάρχῳ σου Πατρὶ, καὶ τῷ
παναγίῳ, καὶ ἀγαθῷ, καὶ
ζωοποιῷ σου Πνεύματι, νῦν,
καὶ ἀεὶ, καὶ εἰς τοὺς αἰῶ-
νας τῶν αἰώνων.

Π Ἀπρωθείσης δεῖνς εὐχῆς,
λέγουσι καὶ αὐτοὶ τὸν
χερουβικὸν ὕμνον· εἴτα λα-
βὼν ὁ διάκονος τὸν θυμια-
τὸν καὶ θυμίαμα βαλὼν,
πρόσεισι τῷ ἱερεῖ. Καὶ λα-
βὼν εὐλογίαν παρὰ αὐτοῦ,
θυμιᾷ τὴν ἁγίαν τράπεζαν
γύρωθεν, καὶ τὸ ἱερατεῖον
ὅλον, καὶ τὸν ἱερέα. Λέ-
γει δὲ καὶ τὸν Πυντηχοστὸν,
καὶ τροπάρια κατανυκτι-
κὰ, ὅσα καὶ βούλεται,
οἱ μετὰ τοῦ ἱερέως. Καὶ
ἐπέρχονται ἐν τῇ προθέσει,

من بين عبيدك . بـل ارتض
بان تتقدم لك هذه القرابين
مني انا عبدك الخاطي الغير
المستحق . لانك انت هو المقرب
والمقرب . والقابل والمعطى ايها
المسيح الهنا . ولك نرسل المجد
مع ابيك الذي لا ابتدا له .
وروحك الكلي قدسه . الصالح
والصانع للحياة . الان وكل اوان
والى دهر الدهرين

وعند اكتمال الافشين فهما
ايضاً يقولان التسبيح
الشاروبيمي ويتناول الشمس
المبضرة ويضع بخوراً ويحج نحو
الكاهن . واذ يكون اخذ منه بركة
يبتصر حول المائدة المقدسة مع
الهيكل جميعه ثم الكاهن
وهو قايل مع الكاهن المزمور
لخمسين وطروبارية خشوعية
مهما يشاء ويمضيان نحو
التقدمة متقدماً اياه الشمس
الذى اذ يبتصر القدسات يقول
في ذاته

γιγῆς ταύτης, καὶ ἀναιμά-
 κτου θυσίας τὸν ἱεουργίαν
 παρέδωκας ἡμῖν, ὡς Δεσπό-
 της τῶν ἀπάντων. Σὺ γὰρ
 μόνος Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν,
 δεσπόζεις τῶν ἐπουρανίων,
 καὶ τῶν ἐπιγείων, ὁ ἐπὶ θρό-
 νου χειρουβινῶ ἐποχούμε-
 νος, ὁ Ἰὼν Σεραφὶμ Κύριος,
 καὶ Βασιλεὺς τοῦ Ἰσραὴλ,
 ὁ μόνος ἅγιος, καὶ ἐν ἁγίοις
 ἀναπαυόμενος. Σὲ τοίνυν δυ-
 σωπῶ τὸν μόνον ἀγαθόν, καὶ
 εὐήκοον· ἐπίβλεψον ἐπ' ἐμέ
 τὸν ἁμαρτωλὸν καὶ ἀχρεῖον
 δοῦλόν σου, καὶ καθάρισόν
 μου τὴν ψυχὴν, καὶ τὴν καρ-
 δίαν ἀπὸ συνειδήσεως πονη-
 ρᾶς, καὶ ἰκάνωσόν με τῇ
 δυνάμει τοῦ ἁγίου σου Πνεύ-
 ματος, ἐνδεδυμένον τὴν τῆς
 ἱερατείας χάριν παραστή-
 ναι τῇ ἀγίᾳ σου ταύτῃ ἱρα-
 πέζῃ, καὶ ἱεουργῆσαι τὸ
 ἅγιον, καὶ ἀχραντὸν σου σῶ-
 μα, καὶ ἰσότιμιον αἷμα. Σοὶ
 γὰρ προσεύχομαι, κλίνας
 τὸν ἑαυτοῦ αὐχένα, καὶ
 θέομαί σου· μὴ ἀποστρέψης
 τὸ πρόσωπόν σου ἀπ' ἐμοῦ,

استحالة ولا تغيير. وحصلت لنا
 رئيس كهنة. وبما انك سيد
 الكل. قد سلمتنا خدمة هذه
 الذبيحة الكهنوتية والغير
 الدموية. لانك انت وحدك
 ايها الرب الهنا تسود السمويات
 والارضيات. ايها الراكب على
 العرش الساروديمي. ورب
 السيراقيم. وملك اسراييل
 القدوس وحدك. والمستريح في
 القديسين. فاليك اذا اتضرع
 انت الصالح وحدك والحسن
 الاجابة. فانظر اليّ انا عبدك
 الخاصي البطال. وطهر نفسي
 وقلبي من ضمير شرير.
 واجعلني كفوًا بقوة روحك
 القدوس. انا اللابس نعمة
 الكهنوت. لان اقف لدى
 مايدتك هذه المقدسة. واقدس
 جسدك المقدس الطاهر ودمك
 الكريم. لاني اليك اتقدم
 محنيًا عنقي. واطلب منك ان
 لا تصرف وجهك عني. ولا تزدلني

στηρίων, καὶ τῆς ἐπουρανίου
σου βασιλείας ἀξιοῦναι.

Ἀνιλαβοῦ, σῶσον, ἐλέησον.

Σοφία.

Ἐκφώνησις.

Ο Πως ὑπὸ τοῦ κράτους σου
πάντοτε φυλαττόμενοι,
σοὶ τὴν δόξαν ἀναπέμπομεν,
τῷ Πατρὶ, καὶ τῷ Τίῳ,
καὶ τῷ ἁγίῳ Πνεύματι, νῦν,
καὶ αἰεὶ, καὶ εἰς τοὺς αἰῶνας
τῶν αἰώνων.

**Εὐχή, ἣν λέγει ὁ ἱερεὺς μου-
σικῶς, τοῦ χερουβικου
ἀδομένου.**

Ο Ὅδεὶς ἄξιος τῶν συνδεδε-
μένων ταῖς σαρκικαῖς
ἐπιθυμίαις, καὶ ἡδοναῖς,
προσέρχεσθαι, ἢ προσεγ-
γίζειν, ἢ λειτουργεῖν σοι
Βασιλεῦ τῆς δόξης· τὸ γὰρ
διακονεῖν σοι, μέγα, καὶ
φοβερόν καὶ αὐταῖς ταῖς ἐ-
πουρανίοις δυνάμεσιν. Ἀλλ'
ὅμως διὰ τὴν ἀφάτον, καὶ
ἀμέτρητόν σου φιλάνθρω-
πίαν, ἀτρέπτως, καὶ ἀναλ-
λοιώτως γέγονας ἄνθρωπος,
καὶ ἀρχιερεὺς ἡμῶν ἐχρη-
μάτισας, καὶ τῆς λειτουρ-

ولا دينونة وان يستحقوا
ملكوتك السماوي

اعضد وخلص وارحم
واحفظنا يا الله بنعمتك صوفيا

اعلان

حتى ونحن مصانون بقدرتك
كل حين نرسل لك المجد ايها
الاب والابن والروح القدس
الان وكل اوان والى دهر
الداهرين.

**الافشين الذي يتلوه الكاهن
سرا حينما يزول الشاروبيكون**

لهم احد من المرتبطين
بالشهوات واللذات الجسدية.
مستحقا ان يتقدم. او يخدم
منك. او يخدمك يا ملك المجد.
لان الخدمة لك لعظيمة هي.
ومرهوبة ايضا من القوات
السماويين انفسهم. لكنك
مع هذا جميعه. فلاجل محبتك
للنشر العديمة الوصف والغير
المتناهية. قد صرت انسانا بغير

Ἐκφώνησις.

Ο Τί πρέπει σοι πᾶσα δόξα, τιμή, καὶ προσκύνησις, τῷ Πατρὶ, καὶ τῷ Υἱῷ, καὶ τῷ ἁγίῳ Πνεύματι, νῦν, καὶ αἰεὶ, εἰς τοὺς αἰῶνας τῶν αἰώνων.

ὁ Διάκονος.

Ἐτι, καὶ ἔτι, ἐν εἰρήνῃ.

Εὐχὴ πιστῶν β.

Π Ἄλιν καὶ πολλάκις σοὶ προσπίπτομεν, καὶ σοῦ δεόμεθα, ἀγαθὲ, καὶ φιλάνθρωπε, ὅπως ἐπιβλέψας ἐπὶ τὴν δέησιν ἡμῶν, καθάρσις ἡμῶν τὰς ψυχὰς, καὶ τὰ σώματα ἀπὸ παντὸς μόλυσμους σαρκὸς, καὶ πνεύματος, καὶ δώης ἡμῖν ἀνενοχον, καὶ ἀκατάκλιτον τὴν παράστασιν τοῦ ἁγίου σου θυσιαστηρίου. Χάριται δὲ ὁ Θεὸς, καὶ τοῖς συνευχομένοις ἡμῖν προκοπὴν βίου, καὶ πίστεως, καὶ συνέσεως πνευματικῆς. δὸς αὐτοῖς πάντοτε μετὰ φόβου, καὶ ἀγάπης λατρεύουσί σοι, ἀνενόχως, καὶ ἀκατακλίτως μετέχειν τῶν ἁγίων σου μυ-

واحفظنا يا الله بنعمتك صوفيا

اعلان

لانه لك ينبغي كل مجد
واكرام وسجود. ايها الاب
والابن والروح القدس. الان
وكل اوان والى دهر الداهرين

الشماس

ايضا وايضا بسلام الخ
انتم المومنين الغالي

اننا نجتوا لك ايضا وبتواثر.
ومنك نطلب ايها الصالح
والمحب البشر. حتى اذا ما نظرت
الى طلباتنا. تنقّي انفسنا
واجسادنا من كل دنس بشرة
وروح. وتمنحنا وقوقا غير ملام
ولامدان لدى مذبحك المقدس.
فهب اللهم المصلين معنا امانة
وفهمًا روحيا. ثم عيشة مدينة.
واعظهم ان يعبدوك كل حين
بخوف ومحبة. وان يشتركوا
باسرارك المقدسة بلا لوم

Εὐχαριστοῦμέν σοι, Κύ-
ριε ὁ Θεὸς ἰσχυρὸς δυνάμεων,
τῷ καλῶς πα-
ραστήναι καὶ νῦν τῷ ἁγίῳ
σου θυσιαστηρίῳ καὶ προσ-
πεσεῖν τοῖς οἰκτιρμοῖς σου
ὑπὲρ τῶν ἡμετέρων ἁμαρτη-
μάτων, καὶ ἰσχυροῦ λαοῦ ἁγ-
νομάτων· πρόσδεξαι ὁ Θεὸς
τὴν δέησιν ἡμῶν· καὶ ποιή-
σον ἡμᾶς ἀξίους γενέσθαι
τοῦ προσφέρειν σοι δεήσεις,
καὶ ἰκεσίας, καὶ θυσίας
ἀναιμάκτους ὑπὲρ παντός
τοῦ λαοῦ σου, καὶ ἰκάνωσον
ἡμᾶς, οὓς ἔδου εἰς τὴν δια-
κονίαν σου ταύτην, ἐν τῇ ду-
νάμει τοῦ Πνεύματος σου
τοῦ ἁγίου, ἀκαταγνώστως,
καὶ ἀπροσκόπως, ἐν καθα-
ρῷ τῷ μαρτυρίῳ τῆς συνει-
δήσεως ἡμῶν, ἐπικαλεῖσθαι
σε ἐν παντὶ καιρῷ καὶ ὥρῃ,
ἵνα εἰσακούων ἡμῶν, ἵλεως
ἡμῖν εἴης ἐν τῷ πληθεῖ τῆς
σῆς ἀγαθότητος.

Αντιλαβοῦ, σῶσον, ἐλέη-
σον, καὶ διαφύλαξον ἡμᾶς
ὁ Θεὸς τῇ σῇ χάριτι.

Σοφία.

اما انتم يا مومنون كلکم .
فايضاً وايضاً بسلام من الرب
نطلب

افشين المومنين الاول بعد
فتح الانديميسي

نشكرك ايها الرب اله القوات .
الذي اهلتنا للوقوف الان ايضاً
لدى مذبحك المقدس . لكي
نستعطف رافتك من اجل
خطايانا وجهالات الشعب .
فاقبل طلبتنا يا الله . واجعلنا ان
نكون مستحقين ان نقرب لك
وسايل وطلبات وذبايح غير
دموية من اجل شعبك كافة .
ونحن الذين وضعتنا لخدمتك
هذه . صيرنا كفووا بقوة روحك
القدوس . لان ندعوك بشهادة
ضميرنا النقية في كل وقت
ومكان بغير دينونة ولا عثرة
حتى ان تصغي الينا فتكون
لنا مسانحة بكثرة صلاحك
امضد وخلص وارحم

καταξίωσον αὐτοὺς ἐν καιρῷ
εὐθέτω, ἰῆς τοῦ λουτροῦ πα-
λιγγενεσίας, τῆς ἀφέσεως
τῶν ἁμαρτιῶν, καὶ τοῦ ἐν-
δύματος τῆς ἀφθαρσίας.
ἔνωσον αὐτοὺς τῇ ἀγία σου
καθολικῇ, καὶ ἀποστολικῇ
ἐκκλησίᾳ, καὶ συγκαταρίθ-
μηση αὐτοὺς ἡ ἐκκλησίᾳ σου
ποιίμνῃ.

Ἐκφώνησις.

ΙΝα καὶ αὐτοὶ σὺν ἡμῖν δο-
ξάζωσι τὸ πάντιμον, καὶ
μεγαλοπρεπές ὄνομά σου,
τοῦ Πατρὸς, καὶ τοῦ Υἱοῦ,
καὶ τοῦ ἁγίου Πνεύματος,
νῦν καὶ αἰεὶ καὶ εἰς τοὺς αἰῶ-
να τῶν αἰώνων.

**Καὶ ἑξαπλοῖ τὸ εἰλητόν
ὁ ἱερεὺς.**

Καὶ ὁ Διακονος.

ΟΣοι κατηχούμενοι προέλ-
θετε, οἱ κατηχούμενοι
προέλθετε, ὅσοι κατηχού-
μενοι προέλθετε· μήτις τῶν
κατηχουμένων· ὅσοι πιστοὶ,
ἔτι, καὶ ἔτι, ἐν εἰρήνῃ τοῦ
Κυρίου δεηθῶμεν.

**Εὐχὴ πιστῶν πρώτη, μετὰ
ἀπλωθῆναι τὸ εἰλητόν.**

ربنا والهنا يسوع المسيح خلاصًا
لجنس البشر. انظر الى عبيدك
الموعوظين الذين احنوا لك
اعناقهم. واهلهم في وقت
موافق لحميم اعادة الولادة.
ولغفران الخطايا. ولسريال عدم
الفساد. واتحدهم في كنيسة
الجامعة المقدسة الرسولية.
واحصهم في رعيته المختارة

أعلن

لكي يمجّدوا معنا هم ايضًا
اسمك الكلي الاكرام العظيم
اليها. ايها الاب والابن والروح
القدس. الان وكل اوان والى
دهر الداهرين

والكاهن يبسط الانديميسي

الشمس

ايها الموعوظون كافة اخرجوا.
يا ايها الموعوظون اخرجوا. ايها
الموعوظون جميعًا اخرجوا.
لا يلبث احد من الموعوظين.

Εὕξασθε οἱ κατηχούμενοι
τῷ Κυρίῳ.

Οἱ πιστοὶ ὑπερτῶν κατηχου-
μένων δεηθῶμεν.

Ἵνα ὁ Κύριος αὐτοὺς ἐλεήσῃ.

Κατηχήσῃ αὐτοὺς τῷ λόγῳ
τῆς ἀληθείας.

Ἀποκαλύψῃ αὐτοῖς τὸ εὐαγ-
γέλιον τῆς δικαιοσύνης.

Ενώσῃ αὐτοὺς τῇ ἀγίᾳ αὐ-
τοῦ καθολικῆς, καὶ ἀποστο-
λικῆς ἐκκλησίας.

Σῶσον, ἐλέησεν, ἀντιλαβοῦ,
καὶ διαφύλαξον αὐτοὺς ὁ
Θεὸς τῇ σῇ χάριτι.

Οἱ κατηχούμενοι τὰς κεφα-
λὰς ὑμῶν ἰῶ Κυρίῳ κλίνειτε.

Εὐχὴ κατηχουμένων, **πρὸ**
τοῦ ἀπλωθῆναι τὸ εἰλητόν.

Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ ἐν
ὕψηλοις κατοικῶν, καὶ
τὰ ταπεινὰ ἐφορῶν, ὁ τὴν
σωτηρίαν τῷ γένει τῶν ἀν-
θρώπων ἐξαποστείλας τὸν
μονογενῆ σου Υἱόν καὶ Θεόν,
τὸν Κυρίον ἡμῶν Ἰησοῦν Χρι-
στὸν, ἐπίβλεψον ἐπὶ τοὺς
δούλους σου τοὺς κατηχου-
μένους, τοὺς ὑποκεκλικότας
σοι τὸν ἐαυτῶν αὐχένα, καὶ

للبشر. ولك نرسل المجد إليها
الاب والابن والروح القدس
الان وكل اوان والى دهر
الداهرين.

الشماس

صلوا ايها الموعوظون للرب .

ايها المومنون من اجل
الموعوظين نطلب .

لكي يرحمهم الرب ويعظمهم
بكلمة الحق

ليظهر لهم بشارة العدل
ليتحدهم بكنيسته الجامعة
المقدسة الرسولية

امجد وخلص وارحم
واحفظهم يا الله بنعمتك
يا ايها الموعوظون احنوا روسكم
للرب .

انتم الموعوظين قبل

فجج الانديميسي

ايها الرب الهنا . الساكن
في الاعالي . والناظر المتطامعات .
يامن ارسلت ابنك الوحيد

χωρήσεως καὶ ἀφέσεως ἁ-
μαρτιῶν τῶν δούλων τοῦ
Θεοῦ τῶν ἀδελφῶν τῆς ἀ-
γίας Μονῆς ταύτης.

Ἔτι δεόμεθα ὑπὲρ τῶν μακαρίων, καὶ ἀοιδίμων κλητόρων τῆς ἀγίας Μονῆς ταύτης, καὶ ὑπὲρ πάντων τῶν προαναπαυσαμένων πατέρων, καὶ ἀδελφῶν ἡμῶν, τῶν ἐνθάδε εὐσεβῶς κειμένων, καὶ ἀπανταχοῦ ὀρθόδοξων.

Ἔτι δεόμεθα ὑπὲρ τῶν καρποφορούντων, καὶ καλλιεργούντων ἐν τῷ ἁγίῳ καὶ πανσέπτῳ ναῷ τούτῳ, κοπιώντων, ψαλλόντων, καὶ ὑπὲρ τοῦ περιεστῶτος λαοῦ, τοῦ ἀπεκδεχομένου τὸ παρὰ σοῦ μέγα, καὶ πλούσιον ἔλεος.

Ἐκφώνησις.

Ὁ Τι ἐλεήμων, καὶ φιλάν-
θρωπος Θεὸς ὑπάρχεις,
καὶ σοὶ τὴν δόξαν ἀναπέμ-
πομεν, τῷ Πατρὶ, καὶ τῷ
Υἱῷ, καὶ τῷ ἁγίῳ Πνεύμα-
τι, νῦν καὶ ἀεὶ, καὶ εἰς τοὺς
αἰῶνας τῶν αἰώνων.

Ὁ Διδάσκαλος.

وأيضاً قطب من أجل الرحمة
والحيوة والسلام والعافية
والخلاص لعبيد الله الاخوة
الذين في هذا المكان المقدس
وافتقادهم ومساعدتهم وغفران
خطاياهم

وايضاً نطلب من اجل
المطوبين الدائمين الذكر
الذين عمروا هذا المكان المقدس
ومن اجل ساير امتنيحيين من
ابائنا واخوتنا الراقدين بحسن
عبادة ههنا وفي كل مكان
الارثوذكسيين

وايضاً نطلب من اجل
المقدمين الاثمار والصانعين
الاحسان في هذا الهيكل
المقدس الكلى الوقار والتعبين
والمرتلين ومن اجل هذا
الشعب الحاضر المنتظر من
لدنك رحمة عظيمة وغنية

أعلان

لأنك أنت هو اله رحوم ومحب

Κύριε παντοκράτωρ, ὁ Θεὸς
τῶν πατέρων ἡμῶν, δεόμε-
θα σου, ἐπάκουσον, καὶ
ἐλέησον.

Ελέησον ἡμᾶς ὁ Θεός, καὶ
τὸ μέγα ἔλεός σου, δεόμε-
θα σου, ἐπάκουσον, καὶ
ἐλέησον.

Εὐχή τῆς ἐκτενοῦς ἰκεσίας.

Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, τὴν ἐκ-
τενὴν λαύτην ἰκεσίαν πρόσ-
δεξαι παρὰ τῶν σῶν δούλων,
καὶ ἐλέησον ἡμᾶς, κατὰ τὸ
πληθος τοῦ ἐλέους σου, καὶ
τοὺς οἰκτιρμούς σου κατὰ-
πεμψον ἐφ' ἡμᾶς, καὶ ἐπὶ
πάντα τὸν λαόν σου, τὸν
ἀπεκδεχόμενον τὸ παρὰ σοῦ
πλοῦσιον ἔλεος.

Ετι δεόμεθα ὑπὲρ τοῦ ἀρχιε-
πισκόπου ἡμῶν (τοῦ δεινός),
τοῦ τιμίου πρεσβυτερίου.

Ετι δεόμεθα ὑπὲρ τῶν ἀδελ-
φῶν ἡμῶν, τῶν ἱερέων, ἱε-
ρομονάχων, καὶ πάσης τῆς
ἐν Χριστῷ ἡμῶν ἀδελφό-
τητος.

Ετι δεόμεθα ὑπὲρ ἐλέους
ζωῆς, εἰρήνης, ὑγείας, σω-
τηρίας, ἐπισκέψεως, συγ-

الشَّمْسُ

نقول كافة من كل نفسنا ومن

كل نيتنا فلنقل

لذو رحمة امين

ايها السيد الضابط الكل اله

اباينا نطلب منك فاستجب

وارحم

ارحمنا يا الله كعظيم رحمتك

نطلب منك فاستجب وارحم

افعين الطلبة المتصلة

ايها الرب الهنا اقبل هذه

الطلبة المتصلة من عبيدك .

وارحمنا بحسب رحمتك

الجزيلة . وارسل رافاتك علينا

وعلى كل شعبك المنتظر من

لذنك رحمة غنية .

وايضاً نطلب من اجل رئيس

كهنتنا **فلان** والكهنة

المكرمين .

وايضاً نطلب من اجل اخوتنا

الكهنة والكهنة الرهبان وكل

اخ لنا بالمسيح

Ο διάκονος εἰπὼν τὸ, ἀμήν,
καὶ προσκυνήσας τὸ ἅγιον
εὐαγγέλιον, αἶρει αὐτό.
Καὶ ἐξελθὼν διὰ τῶν ἁγίων
θυρῶν προπορευομένων αὐτῷ
λαμπάδων, ἔρχεται καὶ
ἵσταται ἐν τῷ ἁμβωνί, ἢ ἐν
τῷ τεταγμένῳ τόπῳ. Ὁ δὲ
ἱερεὺς ἱστάμενος ἔμπροσθεν
τῆς ἁγίας τραπέζης, καὶ
βλέπων πρὸς δυσμάς ἐκφω-
νεῖ. Σοφία, ὀρθοί, ἀκούσω-
μεν τοῦ ἁγίου εὐαγγελίου.
Καὶ ὁ διάκονος. Ἐκ τοῦ κατὰ
(τόνδε) ἁγίου εὐαγγελίου
τὸ ἀνάγνωσμα· ὁ ἱερεὺς,
Πρόσχωμεν.

Καὶ πληρωθέντος τοῦ εὐαγ-
γγελίου, λέγει ὁ ἱερεὺς. Εἰ-
ρήνη σοι τῷ εὐαγγελιζομέ-
νῳ. Καὶ ἀπελθὼν ὁ διάκονος
ἕως τῶν ἁγίων θυρῶν, ἀπο-
δίδωσι τὸ ἅγιον εὐαγγέλιον
τῷ ἱερεῖ. Καὶ σταὶς ἐν τῷ συ-
νηθεῖ τόπῳ ἀρχεται οὕτως.
Ὁ Διάκονος.

Εἰπώμεν πάντες ἐξ ὅλης τῆς
ψυχῆς, καὶ ἐξ ὅλης τῆς
διανοίας ἡμῶν εἰπώμεν.

Ὁ χορὸς· Κύριε ἐλέησον.

فيقول الشماس آمين
ماجدًا للإنجيل المقدس . ثم
يرفعه ويخرج من الابواب المقدسة
والشمع يتقدمه ويمضي فيقف
في الامسيونون او في المكان
المعين والكاهن ينتصب امام
المائدة المقدسة ناظرًا الى الغرب
وبعلى قايلاً

صوفيا اورثي • فلنسمع
الانجيل المقدس

والشماس يقول

قراءة من بشارة القديس
فلان الانجيلي

والكاهن يقول

بروسخو من

وعند نهاية الانجيل يقول

الكاهن

السلام لك ايها المبشر

والشماس يرجع حتى الابواب

المقدمة مسلياً الكاهن الانجيل

المقدس ويقف في مكانه

الاعبيادي مبتدئاً هكذا

Θεός, καὶ σοὶ τὴν δόξαν ἀ-
ναπέμπομεν, σὺν τῷ ἀνάρ-
χω σου Πατρὶ, καὶ τῷ πα-
ναγίῳ, καὶ ἀγαθῷ, καὶ ζωο-
ποιῷ σου Πνεύματι, νῦν,
καὶ αἰεὶ, καὶ εἰς τοὺς αἰῶ-
νας τῶν αἰώνων.

Ὁ δὲ διακόνος τὸ θυμιατήριον
ἀποθέμενος, ἔρχεται πρὸς
τὴν ἱερέα, καὶ ὑποκλίνας
αὐτῷ τὴν κεφαλὴν, κρατῶν
καὶ τὸ ὠράριον σὺν τῷ ἀγίῳ
εὐαγγελίῳ ἀκροῖς τοῖς δα-
κτύλοις, δηλονότι ἐν ἐκείνῳ
τῷ τόπῳ τῆς ἀγίας τραπέ-
ζης, λέγει.

Εὐλόγησον δέσποτα τὸν εὐαγ-
γελιστὴν τοῦ ἁγίου ἀπο-
στόλου, καὶ εὐαγγελιστοῦ
(τοῦδε.) Ὁ δὲ ἱερεὺς
σφραγίζων αὐτὸν, λέγει.

Ὁ Θεὸς διὰ πρεσβειῶν τοῦ
ἁγίου ἐνδόξου ἀποστόλου,
καὶ εὐαγγελιστοῦ (τοῦδε)
δῶῃ σοι ῥήματῳ εὐαγγελι-
ζομένῳ, δυνάμει πολλῇ,
εἰς ἐκπλήρωσιν τοῦ εὐαγγε-
λίου τοῦ ἀγαπητοῦ Υἱοῦ
αὐτοῦ, Κυρίου Ἰησοῦ Χρι-
στοῦ.

كل ما يرضيك . لانك انت هو
استنارة انفسنا واجسادنا ايها
المسيح الاله . ولك نرسل المجد
مع ابيك الذي لا ابتدا له
وروحك الكلي قدسه . الصالح
والصانع للحياة . الان وكل اوان
والى دهر الداهرين

والشماس يترك المحضرة ويأتى
نحو الكاهن ويحنى رأسه ضابطاً
الزئار مع الانجيل المقدس
باطراف اصابعه وهو فى مكان
المائدة المقدسة قائلاً

بارك ياسيد هذا الانجيل
الذى للقديس الرسول الانجيلى
فلان

والكاهن يباركه قائلاً

بمفاعه القديس الانجيلى
والرسول المجيد فلان يمدحك
الله ايها المبشر كلمة بقوة
كثيرة لاثمام بشارة ابنه الحبيب
الرب يسوع المسيح

ἱερεὺς. Εἰρήνη σοι. Καὶ ὁ ἀνα-
γνωστὴς, Ἀλληλουϊα, ψαλ-
μὸς τῷ Δαβίδ. Τοῦ δὲ Ἀλ-
ληλουϊα ψαλλομένου, λα-
βὼν ὁ διακονὸς τὸ θυμιατή-
ριον, καὶ τὸ θυμίαμα, πρόει-
σι τῷ ἱερεῖ, καὶ λαβὼν εὐ-
λογίαν παρ' αὐτοῦ, θυμιά-
την ἁγίαν τεάπεζαν γύρω-
θεν, καὶ τὸ ἱερατεῖον ὅλον,
καὶ τὸν ἱερέα. Καὶ ὁ ἱερεὺς
ἀδελφεὶ τὴν εὐχὴν ταύτην.

Εὐχὴ πρὸ τοῦ εὐαγγελίου.

ΕΛαμψον ἐν ταῖς καρ-
δαίαις ἡμῶν, φιλάνθρωπε
Δέσποτα, τὸ τῆς σῆς θεο-
γνωσίας ἀκήρατον φῶς, καὶ
τοὺς τῆς διανοίας ἡμῶν δια-
νοιξον ὀφθαλμοὺς, εἰς τὴν
ἰῶν αὐαγγελικῶν σου κηρυ-
γμάτων κατανόησιν· ἐνθες
ἡμῖν τὸν τῶν μακαρίων σου
ἐνθολῶν φόβον, ἵνα ἰὰς σαρ-
κικὰς ἐπιθυμίας καταπα-
τήσαντες, πνευματικὴν πο-
λιτείαν μετέλθωμεν, πάντα
πρὸς εὐαρέστησίν σου φρο-
νοῦντες. Σὺ γὰρ εἶ ὁ φωτι-
σμός τῶν ψυχῶν, καὶ τῶν
σωμάτων ἡμῶν, Χριστέ ὁ

والقارى بروكىمنى الرسول
والشماس من جديد يقول

بروسخومين

وفي نهاية الرسالة يقول
الكاهن

السلام لك

والقارى الليلويا مزمو داود
وفيما قرئ الليلويا يتناول
الشماس المبخرة والبخور مقدما
اياه الى الكاهن وبعد ان ياخذ
البركة منه يجوز حول المائدة
المقدسة والهيكل جميعه ثم
الكاهن ويقول الكاهن هذا
الافشين

افشين قبل الانجيل

ايها الرب المحب البشر. اشرق
في قلوبنا نور معرفتك البهي.
وافتح عيني ذهننا لمفهومية
مواعظك الانجيلية. وضع فينا
خوف وصاياك الطوباوية. لكي
نتصرف بسيرة روحية دايسين
الشهوات الحمية. متعقلين

μονογενοῦς σου Υἱοῦ· μεθ'
οὐ εὐλογητὸς εἴ εἰς τοὺς αἰῶ-
νας τῶν αἰώνων, ἀμήν.

Εἶτα λέγει ὁ διάκονος
πρὸς τὸν ἱερέα.

Κέλευσον Δέσποτα. **Καὶ** ἀ-
πέρχονται ἐν τῇ καθέδρᾳ.
Καὶ ὁ ἱερεὺς λέγει ἀπερχό-
μενος. Εὐλογημένος ὁ ἐσχό-
μενος ἐν ὀνόματι Κυρίου. Ὁ
δὲ διάκονος. Εὐλόγησον δέ-
σποτα τὴ ἄνω καθέδραν.

Καὶ ὁ ἱερεὺς.

Εὐλογημένος εἴ ἐπὶ θρόνου
δόξης τῆς βασιλείας σου,
ὁ καθήμενος ἐπὶ τῶν χερσου-
βίμ, πάντοτε νῦν, καὶ αἰεὶ,
καὶ τοὺς αἰῶνας τῶν αἰώνων.

Καὶ μετὰ τὴν συμπλήρωσιν
τοῦ τρισαγίου, ὁ διάκονος
ἐλθὼν ἔμπροσθεν τῶν ἁγίων
θυρῶν λέγει·

Πρόσχωμεν. **Καὶ ὁ ἀναγνώ-**
στης. Ψαλμὸς τῷ Δαβίδ.
Καὶ ὁ διάκονος αὐτῆς. Σο-
φία. Καὶ ὁ ἀναγνώστης τὸ
προκειμένον τοῦ ἀποστόλου.
Καὶ αὐτῆς ὁ διάκονος. Πρό-
σχωμεν. Καὶ τοῦ ἀποστό-
λου πληρωθέντος, λέγει ὁ

الى دهر الداهرين امين .

ثم يقول الشمس نحو

الكاهن

كأله فسائه ده سبطا

وحينئذ يجهاى بالذهب
نحو الكاتدرا والكاهن يقول وهو
ذاهب

مبارك الاتى باسم الرب

والشمس

بارك ياسيد هذه الكاتدرا

العليا

والكاهن

مبارك انت على مجد ملكك
ايها الجالس على الشاروبيم كل
حين الان وكل اوان والى دهر
الداهرين

وبعد نهاية التريصاجيون

ياتى الشمس الى قرب الابواب
المقدسة قائلا

بروسخوومن

والقارى مزمور داود ويقول

الشمس

صوفيا

ψαι ἡμᾶς ἐν τῇ χρηστότητί
σου· συγχώρησον ἡμῖν πᾶν
πλημμέλημα ἐκούσιόν τε,
καὶ ἀκούσιον· ἀγίασον ἡμῶν
τὰς ψυχὰς, καὶ τὰ σώμα-
τα· καὶ δὸς ἡμῖν ἐν ὁσιότη-
τι λατρεῦειν σοι πάσας τὰς
ἡμέρας τῆς ζωῆς ἡμῶν,
πρεσβείαις τῆς ἀγίας Θεο-
τόκου, καὶ πάντων τῶν ἁ-
γίων τῶν ἀπ' αἰῶνός σοι
εὐαρεστησάντων. **Ὅτι ἅγιος**
εἶ ὁ Θεὸς ἡμῶν, καὶ σοὶ τὴν
δόξαν ἀναπέμπομεν, ἰῶ Πα-
τρὶ, καὶ ἰῶ Υἱῶ καὶ ἰῶ ἁγίῳ
Πνεύματι, νῦν, καὶ ἀεὶ, καὶ
εἰς τοὺς αἰῶνας τῶν αἰώνων.

Ταύτης δὲ ἑλεσθείσης, ψάλ-
λουσι καὶ αὐτοὶ, ὅτε ἱερεὺς
καὶ ὁ διάκονος, τὸ τρισά-
γιον, ποιοῦντες ὁμοῦ καὶ
προσκυνήματα τρία ἔμπρο-
σθεν τῆς ἀγίας τραπέζης.

Εὐχή τῆς ἁνῶ καθέδρας.

Εἶσποτα Κύριε ὁ Θεὸς τῶν
Δ**υνάμεων σῶσον τὸν λαόν**
σου· καὶ εἰρήνευσον αὐτὸν τῇ
δυνάμει τοῦ ἁγίου σου Πνεύ-
ματος, διὰ τοῦ τύπου τοῦ
τιμίου σου σταυροῦ, τοῦ

بخيريتك . اصفح لنا عن جميع
الزلات الطوعية والغير الطوعية .
وقدس انفسنا واجسادنا .
واعطنا ان نعبدك بالبر جميع
ايام حياتنا . بشفاعه القديسة
والدة الاله . وجميع القديسين
الذين ارضوك منذ الدهر .

اعلان

لانك قدوس انت يا الهنا .
ولك نرسل المجد ايها الاب
والابن والروح القدس . الان
وكل اوان والى دهر الداهرين .

وبعد نهاية ذلك يرتل الكاهن
والشماس معاً التريصاجيون
صانعين حمله السجود الثلاثي
امام المائدة المقدسة

افشين الكاندرا العليا

ايها الرب السيد اله القوات .
خلص شعبك وهبه السلام
بقوة روحك القدوس لاجل
علامة صليب ابنك الوحيد
الكريم . الذي انت معه مبارك

Εὐχὴ τοῦ τρισαγίου
ὑμνου μυστικῶς.

Ο Θεὸς ὁ ἅγιος, ὁ ἐν ἁγίοις
ἀναπαύομενος, ὁ τρισα-
γίῳ φωνῇ ὑπὸ τῶν Σεραφίμ
ἀνυμνούμενος, καὶ ὑπὸ τῶν
Χερουβὶμ δόξολογούμενος,
καὶ ὑπὸ πάσης ἐπουρανίου
Δυνάμεως προσκυνούμενος,
ὁ ἐκ τοῦ μὴ ὄντος εἰς τὸ εἶναι
παρελαγὼν τὰ σύμπαντα,
ὁ κτίσας τὸν ἄνθρωπον κατ'
εἰκόνα σὴν, καὶ ὁμοίωσιν, καὶ
παντί σου χαρίσματι κατα-
κοσμήσας, ὁ διδούς αἰτοῦν-
τι σοφίαν, καὶ συνεσιν, καὶ
μὴ παρορῶν ἁμαρτάνοντα,
ἀλλὰ θέμενος ἐπὶ σωτηρίᾳ
μετάνοιαν, ὁ καταξιώσας
ἡμᾶς τοὺς ταπεινοὺς, καὶ
ἀναξίους δούλους σου, καὶ
ἐν τῇ ᾠρᾷ ταύτῃ στῆναι κα-
τενώπιον τῆς δόξης τοῦ ἁγίου
σου θυσιαστηρίου· καὶ τὴν
ὀφειλομένην σοι προσκύνη-
σιν, καὶ δοξολογίαν προσά-
γειν· αὐτὸς Δέσποτα πρόσ-
δεξαι καὶ ἐκ στόματος ἡ-
μῶν ἱῶν ἁμαρτωλῶν τὸν τρισα-
γιον ὕμνον, καὶ ἐπίσκε-

يقول الكاهن هذا الالفين
الفين الترمصاجيون سرًا

أيها الآله القدوس المستريح
في القديسين. المسبح من
السيرافيم بأصوات ذات ثلاث
تقديسات. والممجد من
الشاروبيم. والمسجود له من
جميع القوات السمويين. يامن
أخرجت الاشيا كلها من العدم
الى الوجود. وخلقك الانسان
على صورتك ومثالك. وزينته
بجميع مواهبك. يامن تمنح
الطالب فهمًا وحكمة. ولم
تهمل الخاطي. بل وضعت
التوبة للخلاص. يامن اهلطنا
نحن عبيدك الذليلين الغير
المستحقين للوقوف في هذه
الساعة ايضًا لدى مجد مذبحك
المقدس. ولتقدمه السجود
الواجب لك مع اقوال
التماجيد. فانت أيها السيد
اقبل من فمنا نحن الخطاة المسبح
المثلث التقديس. وافتقدنا

βῆμα, καὶ ὁ μὲν διάκονος
ἀπολίσθησι τὸ ἅγιον εὐαγγέ-
λιον ἐν τῇ ἀγία τραπέζῃ, οἱ
δὲ ψάλλαι λέγουσι τὰ συνήθη
τροπάδια· καὶ ὅτε ἔλθωσιν
εἰς τὸ ὕστερον, λέγει ὁ διά-
κονος πρὸς τὸν ἱερέα, κλίνων
ἅμα τὴν κεφαλὴν, κρατῶν καὶ
τὸ ὠράριον ἐν τῇ χειρὶ τοῖς
τρισὶ δακτύλοις.

Εὐλόγησον, δέσποτα, τὸν και-
ρὸν τοῦ τρισαγίου.

Καὶ ὁ ἱερεὺς σφραγίζων
αὐτὸν, λέγει.

"Οτι ἅγιος εἶ ὁ Θεὸς ἡμῶν,
πάντοτε, καὶ νῦν, καὶ αἰεὶ.

Καὶ πληρωθέντος τοῦ τροπα-
ρίου, ἔρχεται ὁ διάκονος ἐγ-
γὺς τῶν ἁγίων θυρῶν, καὶ
δεικνύων τὸ ὠράριον πρῶτον
μὲν πρὸς τὴν εἰκόνα τοῦ Χρι-
στοῦ, λέγει.

Κύριε σῶσον τοὺς εὐσεβεῖς,
καὶ ἐπάκουσον ἡμῶν. **Εἴτα**
ἐπάγει, λέγων πρὸς τοὺς
ἐκτὸς μεγαλοφώνως.

Καὶ εἰς τοὺς αἰῶνας τῶν αἰώ-
νων. **Ψαλλομένου** δέ τοῦ
τρισαγίου, λέγει ὁ ἱερεὺς τὴν
εὐχὴν ταύτην.

الاعجيل المقدس على المائدة
المقدسة. والمرتلون يقولون
الطروباريات المعتادة وحين
ينتهون الى الاخيرة يقول
الشماس نحو الكاهن وهو منحنى
الرأس في الوقت ذاته وضابط
الزئار بثلثة اصابع يده

بارك ياسيد وقت الثلث
التقديسات

والكاهن يختمه قائلا

لأنك قدوس انت يا الهنا كل
حين الان وكل اوان والى دهر
الداهرين

وبعد نهاية الطروبارية ياتي
الشماس الى قرب الابواب
المقدسة. ويشير اولاً بالزئار نحو
ايقونة المسيح قائلا

خلص يارب الحسنين العبادة
واسخّج لنا

واذ يرجع يقول بصوت عظيم
نحو الواقفين خارجاً

والى دهر الداهرين
وعلى ترتيل التريصاجيون

καὶ αἰεὶ, καὶ εἰς τοὺς αἰῶνας
τῶν αἰώνων.

Τῆς εὐχῆς δὲ ἑλεσθείσης λέ-
γει ὁ διάκονος πρὸς τὸν ἱερέα,
δοικνύων πρὸς ἀνατολὰς τῇ
δεξιᾷ, κρατῶν ἅμα καὶ τὸ
ὠράριον τοῖς ἱεροῖς δακτύλοις.

Εὐλόγησον δέσποτα ἡν ἁγίαν
εἰσοδόν. Καὶ ὁ ἱερεὺς εὐλο-
γῶν, λέγει,

Εὐλογημένη ἡ εἰσοδος τῶν ἁ-
γίων σου, πάντοτε, νῦν, καὶ
αἰεὶ, καὶ εἰς τοὺς αἰῶνας τῶν
αἰώνων.

Εἴθ' οὕτως ἀπέρχεται πρὸς
τὸν Ἡγούμενον ὁ διάκονος, καὶ
ἀσπάζεται τὸ εὐαγγέλιον,
εἰ πάρεστι· εἴδ' οὖν ἀσπάζε-
ται τοῦτο ὁ ἱερεὺς.

Πληρωθέντος δὲ τοῦ τελευταί-
ου τροπαρίου, εἰσέρχεται ὁ
διάκονος εἰς τὸ μέσον, καὶ
στὰς ἔμπροσθεν τοῦ ἱερέως,
ἀνυψοῖ μικρὸν τὰς χεῖρας,
καὶ δεικνύων τὸ ἅγιον εὐαγ-
γέλιον, λέγει μεγαλοφώνως.

Σοφία, ὀρθοί.

Εἴτα προσκυνήσας αὐτὸς τε,
καὶ ὁ ἱερεὺς κατόπισθεν αὐ-
τοῦ, εἰσέρχονται εἰς τὸ ἅγιον

Αὐαν والى دهر الداهرين

وعند كمال الافسين يقول
الشماس نحو الكاهن وهو متجه
الى الشرق ضابطاً الزنار بـ
اصابع يده اليمنى

بارك ياسيد هذا الايصودون
المقدس.

والكاهن يبارك قائلا

مبارك هو ايصودون
قديسيك كل حين. الان وكل
Αὐαν والى دهر الداهرين

ثم ياتي الشماس نحو الرئيس
ليقبل الانجيل اذا كان هو
حاضراً والم فيقبله الكاهن
وعند نهاية الطروبارية الاخيرة
يأتي الشماس الى الوسط واذ
يقف امام الكاهن يرفع يده
قليلاً مظهراً الانجيل المقدس
ويقول بصوت عظيم

صوفيا اورثي

ثم اذ يصعد هو والكاهن
بعده يدخلان الى الهيكل
المقدس. اما الشماس فيضع

λαβὼν ὁ ἱερεὺς τὸ ἅγιον εὐαγγέλιον, δίδωσι τῷ διακόνῳ. Καὶ οὕτως ἐξελθόντες διὰ τοῦ βορείου μέρους, προπορευομένων αὐτῶν λαμπάδων, ποιεῦσι τὴν μικρὰν εἴσοδον. Καὶ στάντες ἐν τῷ συνήθει τόπῳ, κλίνουν ἀμφότεροι τὰς κεφαλὰς.

Καὶ τοῦ διακόνου εἰπόντος ἡρέμα·

Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν· λέγει ὁ ἱερεὺς τὴν εὐχὴν τῆς εἰσόδου μυστικῶς.

Εὐχὴ τῆς εἰσόδου.

Δ Εἴποτα Κύριε ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ καθαστήσας ἐν οὐρανοῖς τάγματα, καὶ στρατιάς ἀγγέλων, καὶ ἀρχαγγέλων, πρὸς λειτουργίαν ἡσῆς δόξης, ποίησον σὺν τῇ εἰσόδῳ ἡμῶν εἴσοδον ἁγίων ἀγγέλων γενέσθαι, συλλειτουργοῦντων ἡμῖν, καὶ συνδοξολογούντων τὴν σὴν ἀγαθότητα.

Ο Τι πρέπει σοι πᾶσα δόξα, τιμὴ καὶ προσκύνησις, τῷ Πατρὶ, καὶ τῷ Υἱῷ, καὶ τῷ ἁγίῳ Πνεύματι, νῦν,

وبعطيمه للشماس . وهكذا يخرجان من ناحية الشمال صانعين الايصودون الصغير ويتقدمهما الشمع ثم يقفان في المكان المعتاد ويحنيان راسيهما معاً وان يقول الشماس بصوت هاد

من الرب نطلب

فالكاهن يقول افسحين

الايصودون سرّاً

افسحين الايصودون

ايها السيد الرب الهنا . يامن

اقمت في السموات طغيمات واجناد مليكية وروساء مليكية لخدمة مجدك . اصنع ان يكون مع دخولنا دخول مليكة قدسيين خادمين معنا وممجدين معاً صلاحك

اعلاني

لانه لك ينبغي كل مجد

واكرام وسجود ايها الاب والابن والروح القدس الان وكل

Ἐκφώνησις.

Οτι ἀγαθός, καὶ φιλόαν-
θρωπος Θεός. ὑπάρχεις,
καὶ σοὶ τὴν δόξαν ἀναπέμ-
πομεν, τῷ Πατρὶ, καὶ τῷ
Υἱῷ, καὶ τῷ ἁγίῳ Πνεύμα-
τι, νῦν, καὶ αἰεὶ, καὶ εἰς
τοὺς αἰῶνας τῶν αἰώνων.

Εὐχὴ ἀντιφώνου γ'

Ο Τὰς κοινὰς ταύτας, καὶ
συμφώνους ἡμῖν χαρισά-
μενος προσευχάς, ὁ καὶ δύο,
καὶ τρισὶ συμφωνοῦσιν ἐπὶ
τῷ ὀνόματί σου, τὰς αἰτή-
σεις καρέχειν ἐπαγγειλά-
μενος· αὐτός καὶ νῦν τῶν δού-
λων σου τὰ αἰτήματα πρὸς
τὸ συμφέρον πληρώσον, χο-
ρηγῶν ἡμῖν ἐν ἰῷ παρόντι αἰῶ-
νι ἴην ἐπίγνωσιν ἱῆς σῆς ἀλη-
θείας, καὶ ἐν τῷ μέλλοντι
ζωὴν αἰώνιον χαριζόμενος.

Ὑαλλομένου δὲ τοῦ ἱερέως ἀν-
τιφώνου παρὰ τῶν ψαλτῶν,
ἢ τῶν μακαρισμῶν, εἰάν ἐστι
κυριακή· ὅταν ἔλθωσιν εἰς
τὸ, Δόξα· ὁ ἱερεὺς, καὶ ὁ
διάκονος στάντες ἔμπροσθεν
τῆς ἁγίας ἱραπέζης, ποιοῦ-
σι προσκυνήματα ἱρία. Εἴτα

للبشر. ولك نرسل المجد إليها
الاب والابن والروح القدس.
الان وكل اوان وإلى دهـ
الداهرين

افشين الانتيفونا الثالثة

يامنى انعمت علينا بهذه
الصلوات المشتركة المتفقة
النعيمات. واعدت بانه اينما
اتفق صوت اثنين او ثلاثة
ياسمعك تهبهم طلباتهم.
فانت الان ايضا كمل لعبيدك
الطلبات نحو الموافق. منعما
علينا في الدهر الحاضر بمعرفة
حقك وواهبنا ايانا في العتيد
حياة أبدية

واذ يرتل المرقلون

الانتيفونا الثالثة او المكارزمية
اذا كان يوم احد فعند وصولهم
الى الذكضا ينتصب الكاهن
والشماس امام المائدة المقدسة
ويصنعان ثلث سجودات ثم
يتناول الكاهن الانجيل المقدس

τῆς, καὶ τοῦ Υἱοῦ καὶ τοῦ
ἁγίου Πνεύματος, νῦν, καὶ
ἀεὶ, καὶ εἰς τοὺς αἰῶνας τῶν
αἰώνων.

**Καὶ ψάλλεται ὁμοίως παρὰ
τῶν ψαλλῶν τὸ β'. ἀντίφω-
νον· ὁ δὲ διάκονος ὁμοίως ποι-
εῖ, ὡς καὶ ἐν τῇ προτέρᾳ
εὐχῇ.**

Εὐχὴ ἀντιφώνου β'.

ΚΥρίε ὁ Θεὸς ἡμῶν σῶσον
τὸν λαόν σου, καὶ εὐλό-
γησον τὴν κληρονομίαν σου·
τὸ πλήρωμα ἡς ἐκκλησίας
σου ἐν εἰρῇ διαφύλαξον·
ἁγίασον τοὺς ἀγαπῶντας
τὴν εὐπρέπειαν τοῦ οἴκου σου·
σύ αὐτοὺς ἀντιδόξασον τῇ
δουλειᾷ σου δυνάμει, καὶ μὴ
ἐγκαταλίπῃς ἡμᾶς ὁ Θεὸς
τοὺς ἐλπίζοντας ἐπὶ σέ.

ὁ Διάκονος:

**Ἔτι, καὶ ἔτι, ἐν εἰρήνῃ τοῦ
Κυρίου δεηθῶμεν.**

**Ἀντιλαβοῦ, σῶσον, ἐλέησον,
καὶ διαφύλαξον ἡμᾶς ὁ Θεὸς
τῇ σῇ χάριτι.**

**Τῆς παναγίας, ἀχράντου,
ὑπερευλογημένης, ἐνδόξου,
Δεσποίνης ἡμῶν.**

**وترتل الانتيفونا الثانية من
المرتلين والشمس يصنع
كما صنع أولاً في الافشين
الاول**

افشين الانتيفونا الثانية

**ايها الرب الهنا . خلص
شعبك وبارك ميراثك . احفظ
كمال كنيسةك بسلام .
قدس المحبين جمال بيتك .
انت عوضهم مجداً بقوتك
الالهية . ولا تهملنا نحن
المتكئين عليك .**

الشمس

**ايضاً وايضاً بسلام من الرب
نطلب .**

**اعضد وخلص وارحم
واحفظنا يا الله بنعمتك .**

**ذات كل قداسة الطاهرة
الفايقة البركات المجيدة سيدتنا
الج .**

الصلوات

لانك انت هو اله صالح ومحب

Εὐχή ἀντιφώνου α.

ΚΥρίε ὁ Θεὸς ἡμῶν, οὗ τὸ
κράτος ἀνείκαστον, καὶ
ἡ δόξα ἀκατάληπτος, οὗ
τὸ ἔλεος ἀμέτρητον, καὶ ἡ
φιλανθρωπία ἄφατος· αὐ-
τὸς Δέσποτα κατὰ τὴν εὐ-
σπλαγχνίαν σου ἐπιβλεψόν
ἐφ' ἡμᾶς, καὶ ἐπὶ τὸν ἅγιον
οἶκον, καὶ ποιήσον μεθ' ἡμῶν,
καὶ τῶν συνευχομένων ἡμῖν,
πλούσια τὰ ἔλεός σου, καὶ
τοὺς οἰκτιρμοὺς σου.

**Μετὰ δὲ τὴν συμπλήρωσιν
τοῦ ἀντιφώνου, ἐλθὼν ὁ διά-
κονος, καὶ στὰς ἐν τῷ συνή-
θει τόπῳ καὶ προσκυνήσας,
λέγει.**

Ἔτι, καὶ ἔτι ἐν εἰρήνῃ τοῦ Κυ-
ρίου δεηθῶμεν.

Ἀντιλαβοῦ, σῶσον, ἐλέησον,
καὶ διαφύλαξον ἡμᾶς ὁ Θεὸς
τῇ σῇ χάριτι.

Τῆς παναγίας, ἀχράντου,
ὑπερευλογημένης, ἐνδόξου,
Δεσποίνης ἡμῶν.

Ἐκφώνησις.

Οτι σὸν τὸ κράτος, καὶ σοῦ
ἐσιν ἡ βασιλεία, καὶ ἡ
δύναμις καὶ ἡ δόξα, τοῦ Πα-

αδράκ. والرحمة التي
لا تقدير لها. والمحبة للبشر الغير
الموصوفة. انت ايها السيد
بحسب تخنك. انظر الينا والى
هذا البيت المقدس. واصنع
معنا ومع المصلين وایانا
رافاتك ومراحمك الغنية

**وبعد اكتمال الانتيفونا ياتي
الشماس ويقف في مكانه
كالعادة ويسجد قائلاً**

**ايضاً وايضاً بسلام من الرب
نطلب.**

**اعضد وخلص وارحم
واحفظنا يا الله ينعيتك.**

**ذات كل قداسة الطاهرة
الفايقة البركات الحجيده سيدتنا
الخ.**

اعلن

**لا لك هي العزة. ولك هو
الملك والقوة والمجد. ايها الاب
والابن والروح القدس. الان
وكل اوان. والى دهر الداهرين**

Αντιλαβοῦ, σωσον, ἐλέη-
σον, καὶ διαφυλαξον ἡμᾶς
ὁ Θεὸς τῇ σῇ χάριτι.

Τῆς παναγίας, ἀχράντου,
ὑπαρευλογημένε, ἐνδόξου,
Δεσποίνης ἡμῶν Θεοτόκου,
καὶ ἀειπαρθένου Μαρίας, με-
τὰ πάντων τῶν ἁγίων μνη-
μονεύσαντες, ἑαυτοὺς, καὶ
ἀλλήλους, καὶ πᾶσαν τὴν
ζωὴν ἡμῶν Χριστῷ τῷ Θεῷ
παραδώμεθα.

Ἐκφώνησις.

Ο Τί πρέπει σοι πᾶσα δό-
ξα, τιμὴ, καὶ προσκύνη-
σις, τῷ Πατρὶ καὶ τῷ Υἱῷ,
καὶ τῷ ἁγίῳ Πνεύματι, νῦν,
καὶ ἀεὶ, καὶ εἰς τοὺς αἰῶνας
τῶν αἰώνων.

**Καὶ ψάλλεται τὰ πρῶτον ἀν-
τίφωνον παρὰ τῶν ψαλτῶν,
καὶ ὁ ἱερεὺς λέγει τὴν εὐχὴν
τοῦ ἀντιφώνου· ὁ δὲ διάκονος
προσκυνήσας μεθίσταται ἐκ
τοῦ τόπου αὐτοῦ, καὶ ἀπελ-
θὼν ἵσταται ἐνώπιον τῆς εἰ-
κόνης τοῦ Χριστοῦ, βλέπων
πρὸς δυσμὰς, κρατῶν καὶ τὸ
ῥάριον τοῖς τρισὶ δακτύ-
λοις τῆς δεξιᾶς χειρὸς.**

ذات كل قداسة الظاهرة
الفايقة البركات المجيدة سيدتنا
والدة الاله الدائمة بركاتها
مريم مع جميع القديسين
اذ نحن نذكرهم فذواتنا وبعضنا
بعضاً وجميع حياتنا للمسيح
الاله نودع.

اعلان

لانه لك ينبغي كل مجد
واكرام وسجود ايها الاب
والابن والروح القدس الان
وكل اوان والى دهر الداهرين.
ثم نرسل الانتيفونا الاولى من
المرتلين والكاهن يقول افشين
الانتيفونا والشماس يسجد
وينتقل من مكانه وياتي الى
امام ايقونة المسيح ويقف ناظراً
الى الغرب ضابطاً الزنار بخلعة
اصابع يده اليمنى

افشين الانتيفونا الاولى

ايها الرب الهنا. يا ذا العزة
العديمة المماثلة. والمجد الفايق

τοῦ κλήρου καὶ τοῦ λαοῦ,
τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν.

Τπὲρ τῶν εὐσεβεσιῶτων, καὶ
θεοφυλάκτων βασιλέων ἡ-
μῶν παντὸς τοῦ παλατίου,
καὶ τοῦ στρατοπέδου αὐτῶν,
τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν.

Τπὲρ τοῦ συμπολεμῆσαι,
καὶ ὑποτάξαι ὑπὸ τοὺς πό-
δας αὐτῶν πάντα ἐχθρόν, καὶ
πολέμιον, τοῦ Κυρίου δε-
ηθῶμεν.

Τπὲρ τῆς ἁγίας Μονῆς Ἰαύ-
της, πάσης πόλεως, χώρας,
καὶ τῶν πίστει οἰκούντων ἐν
αὐταῖς, τοῦ Κυρίου δεηθῶ-
μεν.

Τπὲρ εὐκρασίας ἀέρων, εὐ-
φορίας τῶν καρπῶν ἡς γῆς,
καὶ καιρῶν εἰρηνικῶν, τοῦ
Κυρίου δεηθῶμεν.

Τπὲρ πλεόντων, ὁδοιπορούν-
των, νοσοῦντων, καμνόντων,
αἰχμαλώτων, καὶ ἡς σωτη-
ρίας αὐτῶν, τοῦ Κυρίου δε-
ηθῶμεν.

Τπὲρ τοῦ ῥυθῆναι ἡμᾶς ἀπὸ
πάσης θλίψεως, ὀργῆς,
κινδύνου, καὶ ἀνάγκης, τοῦ
Κυρίου δεηθῶμεν.

من اجل ملوكنا الحسنين
العبادة المحفوظين من الله
وجميع بلاطهم واجنادهم من
الرب نطلب .

من اجل موازتهم في الحروب
وخضوع كل عدو ومحارب تحت
اقدامهم من الرب نطلب .

من اجل هذا المكان المقدس
وكل مدينة وقرية والمؤمنين
الساكنين فيها من الرب
نطلب .

من اجل اعتدال الهواء
وخصب اثمار الارض واوقات
سلامية من الرب نطلب .

من اجل السائرين في البحر
والمسافرين في البر والمرضى
والمصابين والمسبيين وخلصهم
من الرب نطلب .

من اجل نجاتنا من كل حزن
ورجز وخطر وشدة من الرب
نطلب .

امسك وخلص وارحم
واحفظنا يا الله بنعمتك .

νας τῶν αἰώνων. Ἀμήν.

Ὁ Διακόνος.

ὕλογησον Δέσποτα.

Ὁ ἱερεύς.

Εὐλογημένη ἡ βασιλεία
τοῦ Πατρὸς, καὶ τοῦ Υἱοῦ
καὶ τοῦ ἁγίου Πνεύματος,
νῦν, καὶ ἀεὶ, καὶ εἰς τοὺς
αἰῶνας τῶν αἰώνων.

Ὁ Διακόνος.

Εν εἰρήνῃ τοῦ Κυρίου δεηθώ-
μεν. ὁ χορός. Κύριε ἐλέησον.

Τπὲρ τῆς ἀνωθεν εἰρήνης, καὶ
τῆς σωτηρίας τῶν ψυχῶν
ἡμῶν, τοῦ Κυρίου δεηθώμεν.

Τπὲρ τῆς εἰρήνης τοῦ σύμ-
παντος κόσμου, εὐσταθείας
τῶν ἁγίων τοῦ Θεοῦ ἐκκλη-
σιῶν, καὶ τῆς τῶν πάντων
ἐνώσεως, τοῦ Κυρίου δεη-
θώμεν.

Τπὲρ τοῦ ἁγίου οἴκου τούτου,
καὶ τῶν μετὰ πίστεως, εὐ-
λαβείας, καὶ φόβου Θεοῦ
εἰσιόντων ἐν αὐτῷ, τοῦ Κυ-
ρίου δεηθώμεν.

Τπὲρ τοῦ ἀρχιεπισκόπου ἡ-
μῶν, (τοῦ δεῖνος), τοῦ τι-
μίου πρεσβυτέρου, τῆς ἐν
Χριστῷ διακονίας, παντὸς

الكاهن

مباركة هي ملكة الاب
والابن والروح القدس . الان
وكل اوان . والى دهر الداهرين .

الشماس

بسلام من الرب نطلب

لخورس

يارب ارحم

من اجل السلام العلوى
وخلص نفوسنا من الرب
نطلب .

من اجل السلام لكل العالم
وحسن الثبات لكنايس الله
المقدسة واتحاد الكل من الرب
نطلب .

من اجل هذا البيت
المقدس والداخلين اليه بامانة
وورع وخوف الله من الرب
نطلب .

من اجل رئيس كهنتنا **فلان**
والكهنة المكرمين والشماسه
الخدام بالمسيح وسائر الاكليروس
وكل الشعب من الرب نطلب .

Η ΘΕΙΑ ΛΕΙΤΟΥΡΓΙΑ

ΤΟΥ ΕΝ ΑΓΙΟΙΣ ΠΑΤΡΟΣ ΗΜΩΝ

ΙΩΑΝΝΟΥ ΤΟΥ ΧΡΙΣΟΣΤΟΜΟΥ.

Εὐχή τῆς Προθέσεως.

Ο Θεὸς ὁ Θεὸς ἡμῶν, ὁ τὸν οὐράνιον ἄρτον, τὴν τροφήν τοῦ παντὸς κόσμου, τὸν Κύριον ἡμῶν Ἰησοῦν Χριστόν, ἐξαποστείλας Σωτῆρα, καὶ Λυτρωτὴν, καὶ Εὐεργέτην, εὐλογοῦντα, καὶ ἀγιάζοντα ἡμᾶς, αὐτὸς εὐλόγησον τὴν πρόθεσιν ταύτην, καὶ πρόσδεξαι αὐτὴν εἰς τὸ ὑπερουράνιον σου θυσιαστήριον· μνημόνευσον, ὡς ἀγαθὸς καὶ φιλάνθρωπος, τῶν προσενηγάντων, καὶ δι' οὓς προσήγαγον, καὶ ἡμᾶς ἀκατακλείτους διαφύλαξον ἐν τῇ ἱερουργίᾳ τῶν θείων σου μυστηρίων.

Οτι ἡγιασται, καὶ δεδόξασται τὸ πάντιμον, καὶ μεγαλοπρεπὲς ὄνομα σου, τοῦ Πατρὸς, καὶ τοῦ Υἱοῦ, καὶ τοῦ ἁγίου Πνεύματος, νῦν, καὶ αἰεὶ, καὶ εἰς τοὺς αἰῶ-



الالهية التي لا بينا للجليل في
القديسين يوحنا فم الذهب
افشين المقدمة

يا الله الهنا . يامن ارسلت
ربنا يسوع المسيح الخبز السماوي
غذاء كل العالم . مخلصا وفاديا
ومحسنا . مباركا ايانا ومقدسا .
انت بارك هذه المقدمة .
واقبلها على مذبحك السماوي .
وبما انك صالح ومحب البشر .
اذكر مقدميها والذين قدمت
من اجلهم . واحفظنا غير
مدانين في خدمة اسرارك
الالهية . لانه قد تقدس وتمجد
اسمك الكلي الاكرام العظيم
البها . ايها الاب والابن والروح
القدس . الان وكل اوان . والى
دهر الداهرين امين

السماع

بارك ياسيد

